INS ACCREDITED
यूंनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक
# यूनिक समय
RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-55 | मथुरा, मंगलवार, 21 अप्रैल 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

## श्रीकृष्ण जन्मस्थान से हाईवे तक पसरा सन्नाटा, बढ़ेगा पारा, दो दिन लू करेगी परेशान

# सड़कों पर भीषण गर्मी का हाहाकार

### मौसम विभाग का पूर्वानुमान, 24 और 25 अप्रैल को गर्म बयार करेगी परेशान

### मथुरा में तापमान 43 डिग्री के पार पहुंचा स्कूली बच्चे भी गर्मी से परेशान

### भूतेश्वर–जन्मभूमि मार्ग पर कम हुई आवाजाही नेशनल हाईवे पर भी दिखा असर

### यमुना घाटों पर रौनक गायब, पशु–पक्षी और जानवर भी बेहाल, बाजारों में पसरा सन्नाटा

श्री कृष्ण जन्मभूमि मैन रोड पर गर्मी की वजह से सन्नाटा।

नेशनल हाईवे दिल्ली से आगरा जाने वाले रोड पर पसरा सन्नाटा।

गर्मी से बचाव के लिए बच्चे के सिर को पानी से धोती मां।

धूप से बचने के लिए दुपट्टा ओढ़कर जाती छात्राएं।

श्री कृष्ण जन्मभूमि मैन गेट पर गर्मी की वजह से यात्री कम।

पढ़ाई के बाद गर्मी में छाता लगाकर स्कूल से घर जाते बच्चे।

भूतेश्वर से श्री कृष्ण जन्मभूमि जाने वाला मार्ग।

विशेष संवाददाता

**यूनिक समय, मथुरा।** ब्रजभूमि इस समय भीषण गर्मी की चपेट में है। तापमान 43 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंचने के साथ ही शहर में जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो गया है। तेज धूप, लू के थपेड़ों और गर्म पछुआ हवाओं ने लोगों की दिनचर्या को पूरी तरह बदल दिया है। सुबह से ही सूर्यदेव का प्रचंड रूप दिखाई दे रहा है और दोपहर होते–होते सड़कें लगभग सूनी पड़ जा रही हैं।

गर्मी अब रफ्तार पकड़ने लगी है। ऐसे में मौसम विभाग ने जिले में 24 और 25 अप्रैल को लू (गर्म बयार) चलने का पूर्वानुमान जताया है। इस दौरान दिन का तापमान 47 डिग्री सेल्सियस के करीब आ सकता है। ऐसे में लोगों को दोपहर के समय धूप में नहीं चलने की सलाह दी गई है।

अब गर्मी धीरे–धीरे बढ़ने लगी है। आज अधिकतम तापमान 43 और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। गर्मी बढ़ने की वजह से अब दोपहर में जनजीवन प्रभावित होने लगा है, बाजारों में भी सन्नाटा पसरने लगा है।

वहीं, मौसम विभाग ने जनपद से जुड़ा आगामी एक सप्ताह का मौसम का पूर्वानुमान जारी किया है। मौसम विज्ञानी नरेंद्र कुमार ने बताया कि 24 और 25 अप्रैल को हीट वेव चलने की संभावना है। इस दौरान अधिकतम तापमान 45 –47 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच सकता है। गर्मी का सबसे अधिक असर स्कूली बच्चों पर देखने को मिला है। छुट्टी के बाद घर लौटते समय बच्चों को तेज धूप और गर्म हवा से जूझना पड़ रहा है। कई बच्चे चेहरे ढककर और पानी की बोतल साथ लेकर किसी तरह घर पहुंच रहे हैं। अभिभावक भी इस भीषण मौसम को लेकर चिंतित हैं, क्योंकि दोपहर के समय बाहर निकलना बेहद कठिन हो गया है। शहर का धार्मिक और पर्यटन केंद्र श्रीकृष्ण जन्मस्थान परिसर भी इस समय सन्नाटे में डूबा हुआ है। जहां सामान्य दिनों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रहती है, वहां आज अपेक्षाकृत कम लोग दिखाई दिए। मंदिर परिसर में भी सन्नाटा रहा। वहीं भूतेश्वर से श्रीकृष्ण जन्मभूमि की ओर जाने वाला मार्ग भी लगभग खाली नजर आया। दुकानें तो खुली रहीं, लेकिन ग्राहकी बेहद कम रही। इसी तरह नेशनल हाईवे–19 (दिल्ली-आगरा मार्ग) पर भी यातायात तो जारी रहा, लेकिन वाहनों की रफ्तार धीमी और सड़कें सुनसान जैसी दिखाई दीं।

गर्मी का असर केवल इंसानों तक सीमित नहीं रहा। पशु–पक्षी और आवारा जानवर भी इस भीषण मौसम से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। सड़कों पर कुत्ते (स्वान) छांव की तलाश में दिखे, जबकि पक्षी पेड़ों की घनी छाया में बैठे नजर आए। कई जगहों पर गाय और अन्य पशु पानी की तलाश में भटकते देखे गए। गर्म हवाओं और पानी की कमी ने इन जीवों के लिए हालात और मुश्किल कर दिए हैं। यमुना घाटों पर भी सामान्य दिनों की रौनक गायब रही। जहां श्रद्धालु स्नाटा और आरती के लिए आते हैं, वहां आज सन्नाटा पसरा रहा। यमुना का शांत प्रवाह और खाली पड़े घाट मौसम की गंभीरता को दर्शा रहे थे। लू के थपेड़ों के साथ गर्म रातों की संभावना भी जताई गई है। ऐसे में लोगों को सावधानी बरतने और दोपहर के समय घर से बाहर न निकलने की सलाह दी गई है।

## प्रशासन ने भीषण गर्मी को देख लू (हीट स्ट्रोक) से बचाव की दी सलाह

**यूनिक समय, मथुरा।** जनपद में लगातार बढ़ते तापमान को देखते हुए प्रशासन ने लू (हीट स्ट्रोक) से बचाव के लिए जनहित में एडवाइजरी जारी की है। ऐसे में शरीर में पानी और नमक की कमी से लू लगने का खतरा बढ़ गया है। प्रशासन ने नागरिकों को सतर्क रहने और आवश्यक सावधानियां बरतने की सलाह दी है। लू के प्रमुख लक्षणों में तेज बुखार, पसीना न आना, चक्कर आना, सिरदर्द, उल्टी, कमजोरी और भ्रम की स्थिति शामिल हैं। ऐसे लक्षण दिखने पर तुरंत चिकित्सकीय सहायता लेने की अपील की गई है। एडवाइजरी में बताया गया है कि नागरिक अधिक से अधिक पानी पिएं, हल्के और सूती कपड़े पहनें, धूप में निकलते समय सिर ढकें तथा छाता या गमछे का उपयोग करें। दोपहर 12 बजे से चार बजे तक घर के अंदर रहने की सलाह दी गई है। साथ ही नींबू पानी, छाछ और लस्सी जैसे पेय पदार्थों का सेवन करने को कहा गया है। प्रशासन ने यह भी निर्देश दिए हैं कि खाली पेट बाहर न निकलें तथा शराब के सेवन से परहेज करें। बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और पशुओं का विशेष ध्यान रखने की अपील की गई है।

# शराब के ठेकों पर खुलेआम ओवररेटिंग का खेल

**यूनिक समय, मथुरा।** नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत के साथ ही जनपद में शराब और बीयर की दुकानों पर ओवररेटिंग के गंभीर आरोप सामने आए हैं। कई ठेकों पर ग्राहकों से तय एमआरपी से 10 से 20 रुपये तक अतिरिक्त वसूली की जा रही है, जिससे उपभोक्ताओं में नाराजगी बढ़ती जा रही है। आरोप है कि आबकारी विभाग की लापरवाही के चलते यह अवैध वसूली धड़ल्ले से जारी है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि अधिकांश दुकानों पर न तो पीओएस मशीन से बिल दिया जा रहा है और न ही निर्धारित नियमों का पालन किया जा रहा है। जब ग्राहक रसीद मांगते हैं तो कई जगह उन्हें टालमटोल या अभद्र व्यवहार का सामना करना पड़ता है। इससे साफ है कि नियमों को ठेकेदारों द्वारा खुलेआम चुनौती दी जा रही है।

जानकारों के अनुसार यदि प्रति बोतल औसतन 10 रुपये की भी अवैध वसूली मानी जाए तो पूरे जिले और प्रदेश में यह रकम प्रतिदिन करोड़ों रुपये तक पहुंच सकती है। ऐसे में सवाल उठता है कि यह समानांतर वसूली किसके संरक्षण में चल रही है और आबकारी विभाग इसकी अनदेखी क्यों कर रहा है।

## आबकारी विभाग पर लापरवाही के आरोप

उपभोक्ताओं का आरोप है कि विभाग समय–समय पर कार्रवाई के दावे करता है, लेकिन धरातल पर स्थिति जस की तस बनी हुई है। इससे जनता में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

अब सामाजिक कार्यकर्ता और जागरूक नागरिक भी इस मुद्दे को लेकर सक्रिय हो गए हैं। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन और आबकारी विभाग के टोल–फ्री नंबर पर लगातार शिकायतें दर्ज कराई जा रही हैं।

जनता ने मांग की है कि सभी ठेकों पर सीसीटीवी फुटेज की जांच हो, पीओएस बिलिंग अनिवार्य की जाए और नियमों का उल्लंघन करने वाले ठेकेदारों पर सख्त कार्रवाई करते हुए उनके लाइसेंस निरस्त किए जाएं।

## तापमान / मौसम

43 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

26 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

## सोना–चांदी भाव

**सोना**

24 कैरेट 1,55,930

22 कैरेट 1,43,350

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

**चांदी**

2,65,000 प्रति किलो

## आपातकालीन सेवाएं

112 -आपातकालीन सेवा
1962 - रेलवे हेल्पलाइन
100 - पुलिस
108 - एंबुलेंस (स्वास्थ्य सेवा)
102 - एंबुलेंस (मातृ एवं शिशु सेवा)
101 - अग्निशमन (फायर ब्रिगेड)
1090 - महिला हेल्पलाइन
1091 - महिला पुलिस सहायता
1098 - चाइल्ड हेल्पलाइन
104 - स्वास्थ्य सलाह सेवा
1076 - मुख्यमंत्री हेल्पलाइन
1033 - राष्ट्रीय राजमार्ग आपात सेवा
1073 - सड़क दुर्घटना आपात सहायता

## बिजली शिकायत

1912- (बिजली कटौती, फॉल्ट, लो वोल्टेज, बिल से जुड़ी शिकायतें)
वाट्सऐपः 8010957826

## नगर निगम

1533 - नगर निगम संपूर्ण शिकायत हेल्पलाइन
14420 – सीवर सफाई के लिए
18003094747- टोल–फ्री हेल्पलाइन (कॉमन सिटी शिकायत)
0565-2503632 - नगर निगम कार्यालय फोन (नियमित शिकायत)

# नगर आयुक्त ने 'संभव' जनसुनवाई में सुनीं लोगों की समस्याएं

## दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश

**यूनिक समय, मथुरा।** नगर विकास विभाग की पहल पर प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाले "संभव–संतुष्टि एवं समृद्धि" कार्यक्रम के तहत मंगलवार को नगर निगम में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। नगर निगम मथुरा के भूतेश्वर स्थित कार्यालय में नगर आयुक्त जग प्रवेश ने सुबह 10 बजे से नागरिकों की समस्याएं सुनीं, जबकि वृंदावन जोनल कार्यालय में सहायक नगर आयुक्त अनुज कौशिक ने जन शिकायतों का संज्ञान लिया। जनसुनवाई के दौरान नगर निगम के सभी विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे। नगर आयुक्त जग प्रवेश ने प्राप्त शिकायतों पर संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए और सभी मामलों का तय समयसीमा में निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा। भूतेश्वर जोन में कुल नौ शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें चार अतिक्रमण, एक सफाई, एक स्ट्रीट लाइट, एक हैंडपंप मरम्मत और एक स्थानांतरण से संबंधित मामला शामिल रहा। इनमें से सफाई से जुड़ी एक शिकायत का मौके पर ही समाधान कर दिया गया। वहीं वृंदावन जोन में पांच शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें तीन जलकल विभाग और दो सफाई व्यवस्था से संबंधित थीं। इस दौरान अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह, सहायक नगर आयुक्त कल्पना सिंह चौहान, अनुज कौशिक, अधिशासी अभियंता (निर्माण) अमरेंद्र गौतम, अधिशासी अभियंता (जल) राम कैलाश तथा नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामगोपाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। नगर आयुक्त जग प्रवेश ने स्पष्ट कहा कि सभी शिकायतों का निस्तारण समयबद्ध तरीके से किया जाए ताकि नागरिकों को जल्द से जल्द राहत मिल सके। उन्होंने अधिकारियों को जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के निर्देश भी दिए।

नगर आयुक्त जगप्रवेश लोगों की शिकायतें सुनते हुए।

# गर्मी में बिजली कटौती से विभाग की तैयारियों की खुली पोल

**यूनिक समय, मथुरा।** जिले में जैसे–जैसे गर्मी बढ़ रही है, वैसे–वैसे बिजली की समस्या भी बढ़ने लगी है। हालात यह हैं कि अब न दिन में भरोसा है और न रात में। कभी भी बिजली चली जाती है और कब आएगी, इसका कोई तय समय नहीं है। इससे लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। शहर हो या गांव, हर जगह बिजली की कटौती देखने को मिल रही है। कुछ दिन पहले बिजली विभाग ने दावा किया था कि गर्मी में लोगों को पूरी बिजली मिलेगी, लेकिन अब ये दावे फेल होते नजर आ रहे हैं। शहर हो या गांव हर एक घंटे बाद बिजली गुम हो जाती है।

दिन में तेज गर्मी के बीच बिजली कटने से लोग बेहाल हैं। पंखे और कूलर बंद होने से घरों में रहना मुश्किल हो जाता है। वहीं रात में बिजली जाने से लोगों की नींद भी पूरी नहीं हो पा रही है। रात में मंछरों का आतंक बना हुआ है, बिजली की आंख मिचौनी से मछरों ने भी अपना रूप दिखाना शुरू कर दिया है। लोगों का कहना है कि बार–बार बिजली जाने से ऐसा लग रहा है कि बिजली विभाग के दावे पिछ्ले साल की तरह नहीं रह जाए, हाल ही ?में बिजली विभाग के अधिकारियों ने दावे किए थे कि जनपद को पर्याप्त बिजली मिलेगी, लेकिन अभी तो गर्मियों की शुरुआत में ही आला अधिकारियों के दावे फेल नजर आ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि अभी तो गर्मी की शुरुआत ही है। लोगों का कहना है कि बिजली विभाग ने सिर्फ कागजों में तैयारी दिखाई, लेकिन जमीन पर कुछ खास सुधार नहीं हुआ। बार–बार कटौती से लोगों का गुस्सा बढ़ता जा रहा है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि बिजली व्यवस्था ठीक की जाए और अघोषित कटौती बंद की जाए, ताकि गर्मी के इस मौसम में लोगों को राहत मिल सके। अब सभी की नजर इस पर है कि बिजली विभाग कब तक हालात सुधारता है।

## दिन–रात गुल हो रही बिजली, लोग परेशान

# हत्या के प्रयास के मामले में वांछित गिरफ्तार

**यूनिक समय, छाता।** थाना छाता पुलिस ने हत्या के प्रयास के एक मामले में वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस टीम ने मंगलवार की सुबह करीब 8:10 बजे कार्रवाई करते हुए आकाश पुत्र केशवदेव निवासी नगला बिरजा, थाना छाता को ग्राम अलवाई से नगला बिरजा जाने वाले मार्ग से दबोच लिया। पुलिस के अनुसार, अभियुक्त के खिलाफ थाना छाता में बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज था और वह काफी समय से फरार चल रहा था। गिरफ्तारी के बाद अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई की गई है। इस कार्रवाई को थाना प्रभारी निरीक्षक कमलेश सिंह के नेतृत्व में उपनिरीक्षक सुरेंद्रपाल सिंह गौतम व उनकी टीम ने अंजाम दिया।

**पहल** बांके बिहारी क्षेत्र में दुकान और फ्लैट के लिए नई आवंटन नीति

# आवंटन में लागू होगा 'पहले आओ–पहले पाओ' सिद्धांत

**यूनिक समय, वृंदावन।** बांके बिहारी मंदिर क्षेत्र में श्रद्धालुओं की सुविधा और भीड़ प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए बड़ा प्रशासनिक निर्णय लिया गया है। जिला मजिस्ट्रेट एवं हाई पावर्ड मैनेजमेंट कमेटी के सदस्य सचिव चन्द्र प्रकाश सिंह ने बताया कि उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में गठित कमेटी की 14वीं बैठक में दुकानों और फ्लैटों के आवंटन के लिए 'पहले आओ-पहले पाओ' का सिद्धांत लागू करने पर सहमति बनी है।

कमेटी के अध्यक्ष एवं इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति अशोक कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया कि जो भी व्यक्ति अपनी दुकान या भवन का बैनामा ठाकुर बांके बिहारी महाराज के नाम पहले करेगा, उसे प्राथमिकता के आधार पर दुकान या फ्लैट का आवंटन किया जाएगा।

प्रशासन के अनुसार मंदिर क्षेत्र में श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए भूमि क्रय की प्रक्रिया को तेज कर दिया गया है। इस योजना का उद्देश्य क्षेत्र में आधुनिक जनसुविधाओं का विकास करना है, जिससे श्रद्धालुओं को सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित दर्शन मिल सकें तथा भीड़ का दबाव कम हो सके।

योजना के तहत प्रभावित दुकानदारों और निवासियों के पुनर्वास की भी व्यवस्था की गई है। दुकानदारों को बदले में दुकान उपलब्ध कराई जा रही है, जबकि निवासियों को मथुरा–वृंदावन विकास प्राधिकरण द्वारा सुनरख और रुक्मणी विहार क्षेत्र में फ्लैट दिए जा रहे हैं। प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि सभी प्रभावितों को उचित मुआवजा दिया जा रहा है।

मंदिर क्षेत्र के विकास के अंतर्गत चौड़े प्रवेश और निकास मार्ग, बैठने की बेहतर व्यवस्था, पेयजल सुविधा और भीड़ नियंत्रण के आधुनिक उपाय शामिल किए जा रहे हैं। इससे न केवल श्रद्धालुओं को राहत मिलेगी, बल्कि धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर उत्पन्न होंगे। जिला मजिस्ट्रेट चन्द्र प्रकाश सिंह ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और सुगम दर्शन प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि आने वाले समय में इस सप्ताह बांके बिहारी मंदिर के पक्ष में कई रजिस्ट्रियां पूरी होने की संभावना है।

## श्रद्धालु सुविधा हेतु प्रशासन का बड़ा फैसला

## भीड़ प्रबंधन के लिए भूमि प्रक्रिया तेज हुई

## दुकानदारों के पुनर्वास की योजना हुई तैयार

## मंदिर क्षेत्र में आधुनिक सुविधाएं होंगी विकसित

# पुलिस ने वांछित युवक को किया गिरफ्तार

**यूनिक समय, मथुरा।** थाना हाईवे पुलिस के अंतर्गत 18 अप्रैल को स्कूटी पर सवार महिला को जान से मारने की नीयत से थार गाड़ी से टक्कर मारने के मामले में एक अभियुक्त को आज दोपहर के समय मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार किया गया। मुखबिर की सूचना पर थाना हाईवे पर वांछित अभियुक्त आर्यन सिंह पुत्र सुनील निवासी श्रीपतिपुरम कालोनी को पुलिस टीम उपनिरीक्षक अनुज कुमार तोमर चौकी प्रभारी बालाजीपुरम और उपनिरीक्षक नितिन राठी चौकी प्रभारी बालाजीपुरम ने पकड़ा।

**यूनिक समय**

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

**कार्यालयः**– यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक–पवन गौतम

**फोन नंबर–0565–2420150,**
**मो. 9837155888**
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

## ब्रज की जीवनरेखा फिर होगी मजबूत

# आगरा कैनाल की क्षमता बढ़ कर होगी 4000 क्यूसेक

कैनाल की साफ सफाई करतीं पॉकलेन मशीनें।

### आगरा कैनाल बन रही नई ताकत, डी–सिल्टिंग और बैंक सुदृढ़ीकरण से बढ़ेगी सिंचाई क्षमता

सिटी रिपोर्टर

**यूनिक समय, मथुरा।** ब्रज क्षेत्र की सिंचाई व्यवस्था को नई मजबूती देने वाली ऐतिहासिक आगरा कैनाल पुनरुद्धार परियोजना तेजी से आगे बढ़ रही है। मशीनों के जरिए कैनाल की सफाई, गाद निकासी (डी–सिल्टिंग) और किनारों के सुद्ढ़ीकरण का कार्य युद्धस्तर पर हो रहा है। यह परियोजना हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के व्यापक कृषि क्षेत्र को सीधा लाभ पहुंचाएगी।

परियोजना के अंतर्गत कुलावों (आउटलेट्स) का पुनर्निर्माण, पक्के स्ट्रक्चर का निर्माण, बैंक का समतलीकरण और सुद्ढ़ीकरण प्रमुख रूप से किया जा रहा है। कार्य को तीन खंडों–ओखला, अपर खंड और उपखंड–में विभाजित कर समानांतर रूप से संचालित किया जा रहा है। 160 किलोमीटर लंबाई वाले इस कैनाल नेटवर्क को आधुनिक स्वरूप देने का लक्ष्य तय किया गया है। समयबद्ध प्रगति सुनिश्चित करने के लिए एक साथ कई एक्स्केवेटर और पॉकलेन मशीनें कैनाल के चौड़ीकरण और सफाई कार्य में लगी हैं।

ऐतिहासिक रूप से वर्ष 1874 में ओखला बैराज से शुरू हुई यह कैनाल आज भी ब्रज क्षेत्र की कृषि की जीवनरेखा बनी हुई है। मथुरा जिले में हजारों हेक्टेयर कृषि भूमि इस पर निर्भर है, जबकि पूरे कमांड एरिया में लगभग 1.3 से 1.5 लाख हेक्टेयर भूमि को सिंचाई का लाभ मिलने का अनुमान है। जानकारों के अनुसार, इस पुनरुद्धार के बाद– गेहूं, सरसों, आलू व सब्जियों के उत्पादन में वृद्धि होगी तथा भूजल पर निर्भरता घटेगी, जिससे किसानों का खर्च कम होगा और फसल चक्र बेहतर होगा, जिससे आय में 15 से 25 प्रतिशत तक वृद्धि संभव है।

दरअसल, वर्षों से कैनाल में गाद जमाव, किनारों का कटाव और जर्जर संरचनाओं के कारण जल प्रवाह बाधित हो रहा था। इसका सबसे ज्यादा असर टेलएंड क्षेत्रों पर पड़ा, जहां पानी पहुंच ही नहीं पाता था और मथुरा के कई गांव प्रभावित हो रहे थे। वहीं साइट इंचार्ज अपर खण्ड अनुज यादव ने बताया कि शिव शक्ति इंटरप्राइजेज द्वारा कार्य तेजी से किया जा रहा है। परियोजना पूर्ण होते ही कैनाल की जल वहन क्षमता बढ़कर 4000 क्यूसेक हो जाएगी, जो पहले घटकर करीब 3000 से 3200 क्यूसेक रह गई थी। परियोजना का लक्ष्य मानसून से पहले अधिकतम कार्य पूरा करना है, ताकि आगामी खरीफ सीजन में किसानों को सीधा लाभ मिल सके।

# युवाओं को मिलेगा 25 लाख रुपये तक का ऋण व सब्सिडी

**यूनिक समय, मथुरा।** जनपद के युवाओं के लिए खुद का व्यवसाय शुरू करने का बेहतरीन अवसर सामने आया है। उपायुक्त उद्योग चंद्रभान सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के तहत इच्छुक युवक–युवतियां उद्योग या सेवा क्षेत्र में अपना उद्यम स्थापित कर सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन है और अभ्यर्थी पोर्टल पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

इस योजना के अंतर्गत उद्योग क्षेत्र में 25 लाख रुपये तक और सेवा क्षेत्र में 10 लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही परियोजना लागत का 25 प्रतिशत तक अनुदान (मार्जिन मनी) भी दिया जाएगा, जिससे व्यवसाय शुरू करना आसान होगा।

आवेदन के लिए आधार कार्ड, शैक्षिक प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, प्रोजेक्ट रिपोर्ट और शपथ पत्र आवश्यक हैं। आवेदक की आयु 18 से 40 वर्ष के बीच तथा न्यूनतम योग्यता हाईस्कूल पास होना जरूरी है।

# डीएम ने नौ उप जिलाधिकारियों को किया इधर से उधर

### जनपद में प्रशासनिक फेरबदल

**यूनिक समय, मथुरा।** जनपद में कानूनी व्यवस्था को सुधारने के लिए जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने मंगलवार को नौ उप जिलाधिकारी/डिप्टी कलेक्टर स्तर पर बड़ा फेरबदल किया है। जारी आदेश के तहत सुशील कुमार सिंह को उप जिलाधिकारी (न्यायिक) मथुरा से उप जिला मजिस्ट्रेट गोवर्धन बनाया गया है। उभ्रा सिंह को अपर उप जिलाधिकारी–प्रथम मथुरा से महावन का उप जिलाधिकारी/उप जिला मजिस्ट्रेट नियुक्त किया है। वहीं आदेश कुमार को छाता से मथुरा में उप जिला मजिस्ट्रेट की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अखिलेश कुमार, डिप्टी कलेक्टर मथुरा को उप जिलाधिकारी (न्यायिक) छाता भेजा गया है। राजकुमार चौधरी को वृन्दावन से उप जिलाधिकारी (न्यायिक) मथुरा/अपर नगर मजिस्ट्रेट वृन्दावन बनाया गया है। सुशील कुमार को डिप्टी कलेक्टर मथुरा से उप जिलाधिकारी (न्यायिक) मॉट की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा कंचन को महावन से हटाकर अपर उप जिलाधिकारी–द्वितीय मथुरा बनाया गया है, जबकि प्रजाक्ता त्रिपाठी को गोवर्धन से अपर उप जिलाधिकारी–प्रथम मथुरा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। राघवेन्द्र शर्मा को मांट से हटाकर डिप्टी कलेक्टर मथुरा नियुक्त किया गया है।

# तमंचा व कारतूस बरामद, एक शातिर गिरफ्तार

**यूनिक समय, मथुरा।** थाना गोवर्धन पुलिस ने अवैध हथियार रखने वाले एक शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। मंगलवार को 1:20 बजे पुलिस टीम ने एकता गोशाला पुलिया के पास नहर पटरी पर बोरपा गांव की ओर जाने वाले रास्ते से एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में पकड़ा। पूछताछ में उसने अपना नाम राजू पुत्र केशव, निवासी ग्राम छजवा थाना मोतीगंज, जिला गोण्डा बताया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक अवैध 315 बोर का तमंचा तथा एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। इस कार्रवाई को थाना प्रभारी निरीक्षक भगवत सिंह गुर्जर के नेतृत्व में उपनिरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह एवं उपनिरीक्षक विजय प्रकाश की टीम ने अंजाम दिया।

# यमुना एक्सप्रेस–वे पर कैंटर से टकराई कार, तीन लोग घायल

**यूनिक समय, बाजना।** यमुना एक्सप्रेस–वे पर रफ्तार का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। मंगलवार की सुबह चार बजे माइल स्टोन 73.700 के पास एक सड़क हादसा हो गया। नोएडा से आगरा की ओर जा रही एक तेज रफ्तार कार अज्ञात वाहन से टकरा गई, इसके बाद आइसर कैंटर संख्या यूपी 16 क्यूटी 8550 से टकराई गई। इस हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। बाजना कट चौकी प्रभारी हरेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि माइल स्टोन पर नोएडा की ओर से आगरा की तरफ जा रहे आइसर कैंटर ने आगे चल रहे किसी अज्ञात वाहन में पीछे से

जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कैंटर चालक अपना संतुलन खो बैठा और कैंटर सड़क पर पहली लाइन में जा रही एक कार संख्या एमपी 07 सीके 6797 से जा टकराया। हादसे के बाद एक्सप्रेस–वे पर चीख–पुकार मच गई। सूचना मिलते ही एक्सप्रेस–वे की राहत टीम और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने कैंटर और कार में फंसे घायलों शकुंतला देवी पत्नी रतनपाल योगेश चौधरी पुत्र रतनपाल व दीपक पुत्र बेताल सिंह निवासीगण टेकनपुर ग्वालियर मध्यप्रदेश को तुरंत एम्बुलेंस द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नौहझील में में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है। दुर्घटना के बाद एक्सप्रेस–वे की दो लेन पर यातायात कुछ समय के लिए बाधित रहा। पुलिस ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को किनारे करवाकर मार्ग सुचारू रूप से चालू कराया।

### स्मार्ट मीटर पर सियासत गर्म

# विधानसभा चुनाव में बन सकता है बड़ा मुद्दा

**यूनिक समय, गोवर्धन।** उत्तर प्रदेश में बिजली के स्मार्ट मीटर अब सिर्फ तकनीकी बदलाव का विषय नहीं रह गए हैं, बल्कि तेजी से राजनीतिक रंग लेते नजर आ रहे हैं। कई शहरों और कस्बों में उपभोक्ताओं की बढ़ती शिकायतों के बीच यह मुद्दा आगामी विधानसभा चुनाव में अहम भूमिका निभा सकता है।

स्मार्ट प्रीपेड मीटर को पारदर्शिता और बेहतर बिलिंग व्यवस्था के उद्देश्य से लागू किया गया था, लेकिन जमीनी स्तर पर कई उपभोक्ताओं ने इसे लेकर असंतोष जताया है। लोगों का आरोप है कि नए मीटर लगने के बाद बिजली बिल में अचानक वृद्धि हुई है, वहीं कई मामलों में गलत रीडिंग और बिना सूचना बिजली कटने की शिकायतें भी सामने आई हैं।

मथुरा-गोवर्धन सहित अन्य ग्रामीण क्षेत्रों में इस मुद्दे को लेकर विरोध प्रदर्शन भी हुए हैं। उपभोक्ताओं का कहना है कि प्रीपेड व्यवस्था में बैलेंस खत्म होते ही बिजली कट जाती है, जिससे आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है। खासकर मध्यम वर्ग और छोटे व्यापारियों के लिए यह व्यवस्था परेशानी का कारण बन रही है।

## जनता की शिकायतें तकनीकी खामियां और बढ़ते बिलों ने बढ़ाई सरकार की चुनौती

वहीं, सरकार इस योजना को बिजली क्षेत्र में सुधार की दिशा में बड़ा कदम बता रही है। अधिकारियों के अनुसार, स्मार्ट मीटर से न सिर्फ बिजली चोरी पर रोक लगेगी, बल्कि उपभोक्ताओं को अपनी खपत की सटीक जानकारी भी मिलेगी। शिकायतों को देखते हुए सरकार ने जांच और समाधान के लिए विशेष अभियान भी शुरू किए हैं।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि बिजली जैसे बुनियादी मुद्दे का सीधा असर मतदाताओं पर पड़ता है। ऐसे में यदि समस्याएं जल्द हल नहीं हुईं तो विपक्ष इसे चुनावी मुद्दा बनाकर सरकार को घेर सकता है। दूसरी ओर अगर व्यवस्था में सुधार होता है और उपभोक्ताओं का भरोसा बढ़ता है तो यह सरकार के पक्ष में भी जा सकता है। फिलहाल, स्मार्ट मीटर का मुद्दा उत्तर प्रदेश की राजनीति में धीरे-धीरे अपनी जगह बना रहा है। आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि यह तकनीकी पहल चुनावी रणभूमि में कितना बड़ा हथियार बनती है।

रूपकिशोर सैनी (दुकानदार) कहते हैं, प्रीपेड सिस्टम में बड़ी दिक्कत यह है कि बैलेंस खत्म होते ही बिजली कट जाती है। दुकान चलाना मुश्किल हो जाता है। बैलेंस खत्म होने का मैसेज नहीं आता है।

मुनीश स्वरूप एडवोकेट का कहना है कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद हमारा बिजली का बिल पहले से काफी ज्यादा आने लगा है। समझ में नहीं आता है कि खपत बढ़ी है या सिस्टम में गड़बड़ी हो रही है।

गुलाब सिंह उर्फ गब्बर सैनी ने बताया कि अगर कोई तकनीकी दिक्कत आ जाए तो तुरंत समाधान नहीं मिलता। इससे लोगों में नाराजगी बढ़ रही है।

ओमवीर सिंह (युवा उपभोक्ता) का कहना है कि मोबाइल से रिचार्ज और खपत देखना आसान है, लेकिन कई बार डेटा सही नहीं दिखता, जिससे परेशानी होती है।

# गोवर्धन चौराहा पर एक रिसॉर्ट के सामने लगे जाम में फंसे वाहन

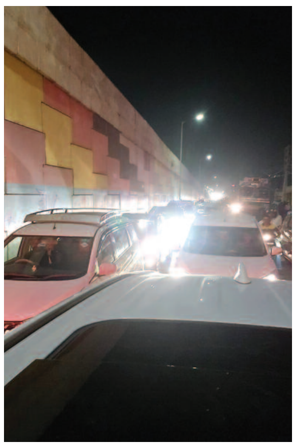

**यूनिक समय, मथुरा।** सोमवार की शाम से ही शहर में जाम के हालात बनने शुरू हो गये थे, रात होते-होते शहर में जाम की स्थिति ऐसी बन गई थी कि लोगों का सड़कों से गुजरना मुश्किल हो गया। जो लोग जाम में फंसे थे उनका कहना था कि मात्र पांच मिनट का रास्ता है लेकिन जाम लगने के कारण उन्हें एक घंटे का समय लग रहा है। जाम लगने पर सबसे ज्यादा परेशान कार में बैठे लोग हो रहे थे। लोगों का कहना है कि पुलिस प्रशासन को इस प्रकार के जाम पर ध्यान देना चाहिए।

# रक्तदान कर रक्तदाता फाउंडेशन ने मनाया 10वाँ स्थापना दिवस

स्थापना दिवस पर रक्तदान करते रक्तदाता फाउंडेशन के सदस्य।

**यूनिक समय, मथुरा।** मथुरा और आसपास के जनपदों में रक्तदान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रही संस्था रक्तदाता फाउंडेशन द्वारा अपना 10वाँ स्थापना दिवस सादगी से सदस्यों द्वारा रक्तदान कर मनाया। स्थानीय सद्भावना ब्लड बैंक में संस्थापक सदस्य यतेंद्र फौजदार, सदस्य राहुल लवानिया एवं दुर्लभ रक्त ग्रुप के रक्तदाता भारत भूषण शर्मा द्वारा रक्तदान किया गया। यतेंद्र फौजदार ने बताया कि विगत 10 वर्षों में संस्था द्वारा 200 से अधिक रक्तदान शिविर एवं 16 हजार से ज्यादा रक्त यूनिटों से समाज की सेवा की है और सेवा निरंतर जारी है। अमित गोयल एवं गोविंद खंडेलवाल ने सभी सहयोगियों, रक्तदानियों, संस्थाओं, मीडिया बंधुओं, रक्तकोषों को अभी तक के सहयोग के लिये धन्यवाद दिया। केशव मुखिया, कुशल अग्रवाल, गोपाल खंडेलवाल, प्रिंस खंडेलवाल, प्रीतम अग्रवाल, सौरभ अरोड़ा, आशीष गोयल आदि सदस्यों द्वारा हमेशा की तरह जनहित में कार्य करने की शपथ ली। सद्भावना ब्लड बैंक, ब्रजवासी ब्लड बैंक, ब्रज ब्लड बैंक, लाइफ केयर ब्लड बैंक, आरकेएमएस ब्लड बैंक, सरकारी रक्त कोष आदि ने रक्तदाता फाउंडेशन के सहयोग के लिए धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया।

# गोवर्धन में महिला संदिग्ध परिस्थितियों में लापता

## पति ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया

**यूनिक समय, मथुरा।** थाना मगोर्रा क्षेत्र से एक महिला के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने का मामला सामने आया है। महिला के पति ने स्थानीय पुलिस पर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज न करने और मामले में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने क्षेत्राधिकारी गोवर्धन से न्याय की गुहार लगाई है। जानकारी के अनुसार नगला देचिता (गांव बछगांव) निवासी देवेंद्र की पत्नी डौली 14 मार्च को दोपहर करीब 2 बजे खेत पर काम करने गई थी, लेकिन उसके बाद वह घर वापस नहीं लौटी। खेत पर मौजूद कुछ लोगों ने बताया कि डौली को एक अज्ञात व्यक्ति के साथ मोटरसाइकिल पर जाते हुए देखा गया था।

पति देवेंद्र ने बताया कि उन्होंने अपनी पत्नी को काफी तलाश किया, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद 16 मार्च को उन्होंने थाना मगोर्रा में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए प्रार्थना पत्र दिया। उनका आरोप है कि अब तक न तो रिपोर्ट दर्ज की गई है और न ही पुलिस द्वारा महिला की तलाश के लिए कोई ठोस कार्रवाई की गई है। मामले से आहत पीड़ित ने क्षेत्राधिकारी गोवर्धन अनिल कुमार से न्याय की गुहार लगाई है। उन्होंने मांग की है कि उनकी पत्नी की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर जल्द से जल्द कानूनी कार्रवाई की जाए और महिला को खोजने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं। वहीं, क्षेत्राधिकारी गोवर्धन ने बताया कि उन्हें मामले की जानकारी मिल चुकी है। प्रार्थना पत्र के आधार पर जांच कराई जा रही है और संबंधित थाना पुलिस को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

# कांग्रेस ने अपर्णा यादव के खिलाफ प्रदर्शन कर फूंका पुतला

अपर्णा यादव के खिलाफ प्रदर्शन कर होली गेट पर पुतला फूकती कांग्रेस की पदाधिकारी।

**यूनिक समय, मथुरा।** उत्तर प्रदेश महिला आयोग की उपाध्यक्ष एवं भाजपा नेता अपर्णा यादव द्वारा कांग्रेस का झंडा जलाने के विरोध में कांग्रेस की महिला कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष रूपा लवानिया के नेतृत्व में महिला पदाधिकारियों ने होली गेट पर आक्रोश जताते हुए अपर्णा यादव का पुतला फूंका। कांग्रेस नेता लता चौहान ने घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि यह राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास है। उन्होंने आरोप लगाया कि महिला सम्मान जैसे गंभीर मुद्दों को अन्य प्रक्रियाओं से जोड़कर भ्रम फैलाया जा रहा है। सीमा मोरवाल ने कहा कि भाजपा अब संस्कार और संस्कृति से भटककर सत्ता की राजनीति कर रही है। जिला कांग्रेस नेत्री ललिता देवी ने भी कहा कि महिलाओं के सम्मान की बातें केवल भाषणों तक सीमित हैं। इस मौके पर नीलम कुलश्रेष्ठ, गीता दिवाकर, आरती चौधरी, अंजुल देवी, संजू देवी, नीरज देवी, लक्ष्मी देवी, नीता देवी, रामवती, आयुषी चौरसिया, निशा देवी, मंजू देवी, लीमा देवी, दुर्गा, गंगा देवी, गुड़िया रानी, सपना चौधरी, कृष्णा माहौर और भगवान देई सहित कई महिला कार्यकर्ता मौजूद रहीं।

# वैदिक मंत्रों के बीच मनाई गई आदि शंकराचार्य की जयंती

शंकराचार्य के चित्र पर माल्यार्पण करते सर्वोदयी ब्राह्मण विकास संस्थान के पदाधिकारी और अन्य लोग।

**यूनिक समय, मथुरा।** सर्वोदयी ब्राह्मण विकास संस्थान द्वारा अपने प्रधान कार्यालय बाटी वाली कुंज में पंडित मुकट मणि शर्मा की अध्यक्षता में सनातन धर्म की अलख जागने वाले आदि शंकराचार्य की जयंती मनाई गई। सर्वप्रथम आचार्य कन्हैया लाल शर्मा द्वारा स्वस्तिवाचन कर वैदिक मंत्रों के बीच संस्थान के अध्यक्ष पंडित सोहनलाल शर्मा, नारायण प्रसाद शर्मा, दिवाकर आचार्य, सुरेंद्र शर्मा द्वारा शंकराचार्य की छवि का पूजन कर पुष्प अर्पित किये तथा आरती उतारी गई। इस अवसर पर अध्यक्ष ने कहा कि

## शंकराचार्य ने सनातन परंपरा को एक सूत्र में पिरोया : पंडित मुकट मणि शर्मा

शंकराचार्य ने सनातन परंपरा को एक सूत्र में पिरोने में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से पीपी शर्मा, दिलीप पांडे, विवेक उपाध्याय, गोविंद शर्मा, पंकज शर्मा, मुरलीधर शर्मा, देवकिशन शर्मा आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

# गोवर्धन के गांव सकरवा में भगवान परशुराम की निकाली भव्य शोभायात्रा

**यूनिक समय, गोवर्धन।** भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम का जन्म वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया को रेणुका के घर हुआ था। तभी से देश भर में भगवान परशुराम की जयंती मनाई जाती है। इसी क्रम में गोवर्धन के गांव सकरवा में भी हर वर्ष की भांति इस बार भी भगवान परशुराम की जयंती पर भव्य शोभायात्रा बड़े ही धूमधाम के साथ निकाली गई। बैंडबाजों की सुर लहरियों पर दर्जनों झाकियों ने सभी का मन मोह लिया। वहीं डीजे पर जय परशुराम के नारों से गांव की गलियां गुंजायमान हो गईं। परशुराम के गानों पर युवा थिरकते नजर आये। वहीं ग्रामीणों के अनुसार इस शोभायात्रा में सकरवा गांव के सभी ग्रामीणों सहित आस पास के लोगों का सहयोग रहता है जिससे कि भगवान परशुराम की शोभायात्रा सकुशल निकाली जाती है। इस शोभायात्रा में राहुल मुखिया, सुशील कौशिक, हिमांशु कौशिक, योगेश पंडित, अनमोल मुखिया, रवि शर्मा, अर्जुन शर्मा, दीपक शर्मा, सुरेश शर्मा आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

## मां बाघेश्वरी मंदिर पर मूर्ति स्थापना कल

**यूनिक समय, बाजना।** नौहवारी के प्रसिद्ध मन्दिर मां बाघेश्वरी के महंत बाबा तालादास त्यागी महाराज के गोलोकवास होने पर बुधवार को मंदिर प्रांगण में उनकी मूर्ति स्थापना कर भंडारे का आयोजन किया जाएगा। मां बाघेश्वरी सेवा समिति के अध्यक्ष मनोज कुमार वार्ष्णेय ने बताया कि कल सुबह छह बजे हवन पूजन होने के बाद 10 बजे महंत तालादास त्यागी महाराज की मूर्ति स्थापना की जाएगी। उसके बाद 11 बजे से भंडारा प्रसाद का आयोजन किया जाएगा।

# लॉजिस्टिक्स की वास्तविक दुनिया से रूबरू हुए जीएलए के एमबीए के विद्यार्थी

जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा के ओम लॉजिस्टिक्स कंपनी के भ्रमण के दौरान छात्र–शिक्षक और कंपनी के पदाधिकारी ।

**यूनिक समय, मथुरा।** जीएलए विश्वविद्यालय मथुरा के इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट में एमबीए (लॉजिस्टिक्स एंड सप्लाई चेनमैनेजमेंट) के विद्यार्थियों ने हाल ही में ओम लॉजिस्टिक्स के होडल हब का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस भ्रमण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में उद्योग जगत की वास्तविक कार्यप्रणाली और समसामयिक गतिविधियों की गहरी समझ विकसित करना था।

भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को लॉजिस्टिक्स संचालन, वेयरहाउस प्रबंधन और सप्लाई चेन की वास्तविक प्रक्रियाओं से रूबरू कराया गया। ओम लॉजिस्टिक्स के प्रतिनिधि मंडल, जिसमें मानव संसाधन प्रबंधक अर्जुन प्रजापति, हब इंचार्ज महिपाल और सहायक प्रबंधक युवराज सिंह शामिल ने छात्रों को हब की कार्यप्रणाली पर विस्तृत जानकारी दी। विद्यार्थियों ने वेयरहाउस डिजाइन, सामग्री प्रवाह, उन्नत तकनीक के उपयोग और डैशबोर्ड आधारित रीयल–टाइम निगरानी जैसे तकनीकी पहलुओं को समझा। इसके अतिरिक्त, औद्योगिक उत्कृष्टता के वैश्विक मानकों जैसे सुरक्षा उपाय, तकनीक और काइजन (सतत सुधार) के व्यावहारिक अनुप्रयोगों की जानकारी भी साझा की गई। संचालन के विभिन्न चरणों का अवलोकन करते हुए विद्यार्थियों ने न केवल प्रक्रियाओं को निकट से देखा, बल्कि विशेषज्ञों से सीधे संवाद कर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान भी किया। इस शैक्षणिक भ्रमण का कुशल समन्वय डॉ. हिमांशु प्रजापति एवं डॉ. प्रशांत कुमार द्वारा किया गया।

इस अवसर पर प्रबंधन संकाय निदेशक प्रो. अनुराग सिंह ने कहा कि आज के वैश्विक परिदृश्य में लॉजिस्टिक्स एवं सप्लाई चेन मैनेजमेंट एक तेजी से उभरता हुआ क्षेत्र है। यहां निरंतर दक्ष एवं प्रशिक्षित पेशेवरों की मांग बनी हुई है। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को उद्योगोन्मुखी दृष्टिकोण प्रदान कर उन्हें रोजगार के लिए तैयार करने पर केंद्रित है। यह उन कॅरियर–उन्मुख छात्रों के लिए एक उत्कृष्ट मंच है, जो उद्योग आधारित प्रशिक्षण, इंटर्नशिप और प्लेसमेंट के माध्यम से इस क्षेत्र में अपनी पहचान बनाना चाहते हैं। यह शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के लिए उनके सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक अनुभव से जोड़ने की दिशा में एक निर्णायक कदम साबित हुआ।

## जीएलए के विद्यार्थियों ने इंडस्ट्रियल विजिट से समझा किताबी ज्ञान और व्यावहारिक ज्ञान का समन्वय

विभागाध्यक्ष प्रो. उत्कल खंडेलवाल तथा एसोसिएट विभागाध्यक्ष प्रो. कृष्णवीर सिंह ने कार्यक्रम की रूपरेखा स्पष्ट करते हुए बताया कि यह विशिष्ट पाठ्यक्रम ओम लॉजिस्टिक्स सप्लाई चेन के साथ हुए एमओयू के अंतर्गत संचालित है। इसके तहत पाठ्यक्रम की संरचना और शिक्षण प्रक्रिया को उद्योग जगत की वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप ढाला गया है, जिसमें उद्योग जगत के विशेषज्ञों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित रहती है। उन्होंने जानकारी दी कि वर्ष 2017 से निरंतर संचालित यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुभव और कौशल विकास के माध्यम से सशक्त बना रहा है, जिससे वे बदलते व्यावसायिक परिवेश में प्रभावी भूमिका निभा सकें।

# वाहनों की टक्कर बना बवाल दो पक्षों में पथराव–फायरिंग

**यूनिक समय, मथुरा।** जैंत थाना क्षेत्र के राजपुर गांव में सोमवार की देर रात एक मामूली सड़क हादसा देखते ही देखते बड़े विवाद में बदल गया। गाड़ी की टक्कर को लेकर दो पक्ष आमने–सामने आ गए और मामला इतना बढ़ा कि दोनों ओर से जमकर ईंट–पत्थर चले। स्थिति और गंभीर तब हो गई जब फायरिंग हो गई, जिससे पूरे गांव में दहशत फैल गई।

जानकारी के अनुसार, एक पक्ष के कुछ युवक कार से गांव से गुजर रहे थे, तभी उनकी गाड़ी दूसरे पक्ष की गेस्ट हाउस के बाहर खड़ी कार से टकरा गई। टक्कर के बाद दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हुई, जो हिंसक झड़प में बदल गई। देखते ही देखते दोनों ओर से पथराव शुरू हो गया और हालात बेकाबू हो गए। ग्रामीणों का कहना है कि जैसे ही गोलियों की आवाज सुनाई दी, गांव में अफरा–तफरी मच गई। लोग डर के मारे अपने घरों में दुबक गए। बताया जा रहा है कि रामबाबू ठाकुर और बलराम सैनी पक्ष के बीच रंजिश भी इस विवाद की बड़ी वजह रही, जिसने मामूली घटना को गंभीर रूप दे दिया। घटना की सूचना मिलते ही जैंत और वृंदावन थाना पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन शुरुआती दौर में हालात काबू में नहीं आए।

एक दूसरे पर पथराव करते दोनों पक्ष के लोग।

पुलिस के सामने भी दोनों पक्षों के बीच तनाव बना रहा और फायरिंग की आशंका जताई गई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल बुलाना पड़ा। इस दौरान एक पुलिसकर्मी भी घायल हो गया, जिसके हाथ में डंडा लगने से चोट आई। काफी मशक्कत के बाद पुलिस ने दोनों पक्षों को शांत कराया। फिलहाल कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है, हालांकि अभी तक किसी भी पक्ष की ओर से औपचारिक तहरीर नहीं दी गई है। प्रशासन का कहना है कि लगातार बढ़ते अतिक्रमण के कारण बाजारों में

## फायरिंग से गांव में फैली दहशत

## विवाद में एक पुलिसकर्मी भी घायल

जाम की समस्या गंभीर हो गई है। संकरी सड़कों और भीड़भाड़ के चलते लोगों को रोजाना परेशानी का सामना करना पड़ता है। कई बार आपातकालीन सेवाओं को भी रास्ता नहीं मिल पाता, जिससे स्थिति और गंभीर हो जाती है। अधिशासी अधिकारी ने व्यापारियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा है कि वे स्वयं आगे आकर अपना अतिक्रमण हटा लें। यदि ऐसा नहीं किया गया तो नगर पालिका की टीम बलपूर्वक कार्रवाई करेगी और नुकसान की जिम्मेदारी संबंधित व्यक्ति की होगी।

प्रशासन ने बताया कि इससे पहले भी मुनादी कराकर लोगों को दो बार चेतावनी दी जा चुकी है, लेकिन इसके बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाया गया। अब इसे अंतिम चेतावनी मानते हुए सख्ती से अभियान लागू किया जाएगा। नगर पालिका को उम्मीद है कि इस कार्रवाई के बाद शहर में यातायात व्यवस्था बेहतर होगी और आम नागरिकों को राहत मिलेगी।

# मोटरबोट हादसे में मृतकों की आत्मा शांति के लिए किया हवन

मोटरबोट हादसे में मृतकों की आत्मा शांति को हवन–पूजन करते तीर्थ पुरोहित।

सिटी रिपोर्टर

**यूनिक समय, मथुरा।** वृंदावन के केशीघाट पर 10 अप्रैल को हुए मोटरबोट हादसे में जान गंवाने वाले 16 पर्यटकों की आत्मा शांति के लिए मंगलवार को तीर्थ पुरोहितों ने यमुना जी के समक्ष हवन–पूजन किया। तीर्थ पुरोहित बाबूलाल पंडा के नेतृत्व में पुरोहितों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने वैदिक मंत्रों के साथ हवन में आहुति दी और मां यमुना से प्रार्थना की कि वे सभी मृतकों को अपने श्री चरणों में स्थान दें।

केशीघाट पर आयोजित इस कार्यक्रम में पुरोहितों ने हवन के बाद ब्राह्मण भोज का आयोजन भी किया। हवन के दौरान सभी ने मृतकों की आत्मा की शांति के लिए सामूहिक प्रार्थना की। तीर्थ पुरोहित बाबूलाल पंडा ने हवन के बाद कहा, यह हादसा प्रशासन की लापरवाही से हुआ था। स्टीमर चलाने वाले मनमानी करते थे, ओवरलोड संचालन किया जा रहा था

## मथुरा में तीर्थ पुरोहितों ने यमुना जी से की प्रार्थना

और किसी को लाइफ जैकेट नहीं दी गई थी। यात्री बिना लाइफ जैकेट के स्टीमर पर सवार थे। इस तरफ प्रशासन का कोई ध्यान नहीं था।

10 अप्रैल को यमुना में पंजाब के श्रद्धालुओं को घुमाने ले जा रही मोटरबोट पौन्टून पुल से टकराकर डूब गई थी। इस हादसे में 16 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। हादसे के तुरंत बाद 10 शव बरामद कर लिए गए थे, जबकि बाकी छह शव लगभग एक सप्ताह बाद मिले।

यह हवन-पूजन ब्रज क्षेत्र के तीर्थ पुरोहितों की भावना को दर्शाता है। उन्होंने यमुना को मां मानते हुए मृतकों की आत्मा को शांति देने की अपील की। हादसे के बाद प्रशासन ने व्यवस्थाओं में सुधार का दावा किया है, लेकिन पुरोहितों का आरोप है कि लापरवाही अभी भी बरकरार है।

## राजीव एकेडमी और कोडस्क्वाड्ज एज्यूकेशन के बीच हुआ समझौता

# विद्यार्थियों को  इंडस्ट्री ओरिएंटेड प्रशिक्षण और रिसर्च में मिलेगी मदद

**यूनिक समय, मथुरा।** छात्र–छात्राओं के कौशल विकास, प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राजीव एकेडमी फॉर टेक्नोलॉजी एण्ड मैनेजमेंट तथा कोडस्क्वाड्ज एज्यूकेशन प्राइवेट लिमिटेड के बीच दो साल के लिए एक समझौता हुआ है। समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर दोनों संस्थानों के प्रमुखों डॉ. अमर कुमार सक्सेना और वैभव शर्मा ने किए।

राजीव एकेडमी फॉर टेक्नालॉजी एण्ड मैनेजमेंट तथा कोडस्क्वाड्ज एज्यूकेशन प्रालि के पदाधिकारियों ने इस अनुबंध को समसामयिक बताते हुए कहा कि इससे छात्र–छात्राओं के कौशल विकास, इंडस्ट्री ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। दोनों संस्थाओं ने विश्वास व्यक्त किया कि यह सहयोग विद्यार्थियों के कौशल विकास और उनके करियर को नई दिशा प्रदान करेगा। इस समझौते के तहत दोनों संस्थान मिलकर स्किल–बेस्ड ट्रेनिंग, एज्यूकेशन और रिसर्च के क्षेत्र में कार्य करेंगे।

अनुबंध पत्रों का अवलोकन करते दोनों संस्थानों के डॉ. अमर कुमार सक्सेना और वैभव शर्मा।

कोडस्क्वाड्ज एज्यूकेशन छात्र–छात्राओं को आधुनिक आईटी तकनीकों जैसे जावा, मर्न–स्टैक, क्लाउड कम्प्यूटिंग, डिजिटल मार्केटिंग, पाइथन एवं एआई/एमएल में प्रशिक्षण प्रदान करेगा। एमओयू के प्रमुख बिंदुओं में पाठ्यक्रम विकास, इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग एवं विजिट, इंटर्नशिप एवं प्लेसमेंट, शोध एवं विकास, गेस्ट लेक्चर तथा फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम शामिल हैं। इसके माध्यम से छात्र–छात्राओं को उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किया जाएगा, ताकि उन्हें रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकें।

राजीव एकेडमी के निदेशक डॉ. अमर कुमार सक्सेना ने कहा कि इस प्रकार के समझौते छात्र–छात्राओं के भविष्य को नई दिशा देने में सहायक सिद्ध होंगे तथा उन्हें उद्योग के अनुरूप कौशल प्रदान करेंगे। डॉ. सक्सेना ने कहा कि राजीव एकेडमी का लक्ष्य एक ऐसा सशक्त इकोसिस्टम तैयार करना है, जहां शिक्षा, कौशल और अवसर एक साथ मिलकर युवाओं को आगे बढ़ने का सही मंच प्रदान करें। इस एमओयू में आरएटीएम की तरफ से साक्ष्य के रूप में डॉ. विकास जैन, हेड कारपोरेट रिसोर्स तथा कोडस्क्वाड्ज एज्यूकेशन की ओर से वैभव शर्मा उपस्थित रहे। आरके एज्यूकेशनल ग्रुप के अध्यक्ष डॉ. रामकिशोर अग्रवाल, उपाध्यक्ष पंकज अग्रवाल तथा प्रबंध निदेशक मनोज अग्रवाल ने राजीव एकेडमी और कोडस्क्वाड्ज एज्यूकेशन के बीच हुए समझौते की प्रशंसा करते हुए इसे छात्र–छात्राओं के करियर निर्माण के लिए उपयोगी बताया। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि परस्पर सहयोग से छात्र–छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण तथा बेहतर प्लेसमेंट के अवसर दिए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि राजीव एकेडमी का उद्देश्य युवाओं को केवल किताबों तक सीमित न रखते हुए उन्हें प्रैक्टिकल अनुभव, इंडस्ट्री एक्सपोजर और उद्यमशीलता की सोच के साथ सशक्त बनाना है।

# कोसीकलां में अतिक्रमण पर सख्ती, कल से चलेगा अभियान

**यूनिक समय, मथुरा।** कोसीकलां नगर पालिका प्रशासन ने शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए बड़ा कदम उठाया है। बुधवार से व्यापक स्तर पर अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरू किया जाएगा, जिसे लेकर प्रशासन पूरी तरह सख्त नजर आ रहा है। इस कार्रवाई का उद्देश्य शहर की बिगड़ती यातायात व्यवस्था को सुधारना और आम लोगों को राहत देना है।

नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी अखिलेश सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि यह अभियान शहर के प्रमुख क्षेत्रों–मेन बाजार, बीच बाजार, पुराना जीटी रोड, मोहल्ला निकासा और तालाब शाही–में चलाया जाएगा। इन इलाकों में सड़क किनारे और सार्वजनिक स्थानों पर किए गए अवैध कब्जों को हटाने के लिए विशेष टीमों का गठन किया गया है।

## शहर की बिगड़ती यातायात व्यवस्था को सुधारना है

# पेट की हर परेशानी का हल है सौंफ का जादुई पानी

**यूनिक समय, मथुरा।** सौंफ का सेवन आमतौर पर लोग खाना खाने के बाद माउथ फ्रेशनर के रूप में करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं यह बीज औषधीय गुणों से भरपूर है। इसका पानी पीने से पाचन प्रक्रिया बेहतर होती है, साथ ही शरीर की कई गंभीर परेशानियां दूर होती हैं। चलिए जानते हैं सौंफ का पानी पीने से सेहत को कौन से फायदे मिलते हैं?

**पोषक तत्वों से है भरपूर :** सौंफ के बीजों का पानी पोषक तत्वों से भरपूर है। यह विटामिन, मिनिरल्स , एंटीऑक्सीडेंट और फाइबर से भरपूर होता है। इसमें विटामिन सी, विटामिन ई, विटामिन के, विटामिन ए, विटामिन बी के साथ फोलेट, नियासिन सहित कैल्शियम, मैग्नीशियम, पोटेशियम और आयरन पाए जाते हैं जो हेल्दी शरीर के लिए ज़रूरी होते हैं। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट शरीर को ऑक्सीडेटिव तनाव से बचाने में मदद करते हैं

**पाचन करें बेहतर:** सौंफ के बीज का पानी कमजोर पाचन क्षमता को बेहतर करता है। यह पाचन एंजाइमों के उत्पादन को उत्तेजित करते हैं, जो समग्र पाचन में सुधार करता है। यह पानी एक हाइड्रेटिंग पेय है जो शरीर में तरल पदार्थों को फिर से भरने में मदद कर सकता है।

**गैस और कब्ज से राहत दिलाता है:** सौंफ के बीजों में कार्मिनेटिव गुण होते हैं जिससे पेट फूलने और गैस की समस्या कम होती है। यह पेट के एसिड को बेअसर करने में मदद कर सकता है, जिससे एसिडिटी और सीने की जलन से राहत मिलती है। इसका पानी हाई फाइबर से भरपूर होता है जो कब्ज को रोकने में मदद करती है।

**बॉडी करता है डिटॉक्सीफाई:** सौंफ़ के बीज का पानी शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने में मदद कर सकता है जिससे पेट की सेहत बेहतर होती है। साथ ही सौंफ़ के बीजों का पानी मेटाबॉलिज़्म को बढ़ाता है और मोटापा को तेजी से कम करता है।

**त्वचा के स्वास्थ्य में सुधार:** सौंफ़ के बीज का पानी शरीर को डिटॉक्स करने, श्वसन स्वास्थ्य का समर्थन करने और साफ़ त्वचा को बढ़ावा देने में मदद कर सकता है। इसके बीजों में प्राकृतिक रोगाणुरोधी गुण होते हैं जो सांसों को ताज़ा करने और मौखिक स्वच्छता में सुधार करने में मदद करते हैं।

**कैसे बनाएं सौंफ का पानी?**

सौंफ का पानी आपको खाली पेट पीना चाहिए। रात में एक बड़े गिलास के पानी में एक चम्मच सौंफ डालें। सुबह उठकर इस पानी को हल्का उबालें और फिर इसे पी लें।

### बच्चा बोलने लगा है झूठ?

# अपनाएं ये आसान ट्रिक्स, बदल जाएगा व्यवहार!

**यूनिक समय, मथुरा।** क्या आपका बच्चा भी बात-बात पर झूठ बोलने लगा है? अगर हां, तो आपको समय रहते कुछ टिप्स को फॉलो करना शुरू कर देना चाहिए वरना आपके बच्चे की पर्सनालिटी बुरी तरह से प्रभावित हो सकती है। छोटे बच्चों की परवरिश पर खास ध्यान देना बेहद जरूरी होता है। पैरेंट्स की छोटी सी लापरवाही भी बच्चों के फ्यूचर पर भारी पड़ सकती है। कुछ बच्चे अपने पैरेंट्स से झूठ बोलने लग जाते हैं और पैरेंट्स उनकी इस आदत को सुधारने के लिए उन्हें डांटते हैं। लेकिन बच्चों को डांटने से या फिर उन्हें मारने से उनके मन में बगावत पैदा हो सकती है। आइए बच्चों की झूठ बोलने की आदत को सुधारने के कुछ तरीकों के बारे में जानते हैं।

**प्यार से समझाएं:** अगर आपका बच्चा आपसे झूठ बोलने लगा है, तो जरूरी नहीं है कि उसने कोई गलती ही की हो। कभी-कभी पैरेंट्स घर में ऐसा माहौल बना देते हैं कि बच्चे को अपनी किसी भी बात को शेयर करने से डर लगने लगता है। अगर आप अपने बच्चे को प्यार से सच बोलने के महत्व और झूठ बोलने के नुकसान के बारे में बताएंगे तो आपका बच्चा आपसे झूठ नहीं बोलेगा। आप अपने बच्चे को समझाने के लिए कहानियों की मदद भी ले सकते हैं।

**सेट करें उदाहरण :** अगर आप अपने बच्चे की झूठ बोलने की आदत को सुधारना चाहते हैं, तो पहले आपको खुद झूठ बोलना बंद करना होगा। बच्चे अपने माता-पिता को जो कुछ भी करते हुए देखते हैं, वही करने की कोशिश करते हैं। कुल मिलाकर पैरेंट्स को अपने बच्चों के लिए एक अच्छा उदाहरण सेट करना चाहिए, तभी बच्चे अपने अंदर अच्छी आदतों को डेवलप कर पाएंगे। पहले खुद ईमानदार बनने की कोशिश करें, आपका बच्चा खुद-ब-खुद ईमानदारी की राह पर चलने लगेगा।

**सच बोलने पर करें तारीफ :** अगर आपका बच्चा अपनी गलती को स्वीकार कर माफी मांगता है और आपको सच बताता है तो आपको उसकी गलती को माफ कर देना चाहिए। जब आप सच बोलने पर अपने बच्चे की तारीफ करेंगे और उसकी डांट नहीं लगाएंगे, तो बच्चा खुद-ब-खुद ही आपसे झूठ बोलने से बचेगा।

### दही प्याज का सैंडविच बनाकर खाएं

# बच्चे भूल जाएंगे चीज-मेयोनीज का स्वाद

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** नाश्ते में दही और प्याज का सैंडविच बनाकर खाएंगे तो स्वाद और सेहत दोनों अच्छी रहेगी। गर्मियों में दही और प्याज पेट के लिए अच्छा होता है। बच्चे भी इस नाश्ते के चट कर जाएंगे। जानिए दही प्याज का सैंडविच बनाने की रेसिपी।

गर्मियों में दही और प्याज को डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए। दही और प्याज लू लगने से बचाते हैं। दही में गुड बैक्टीरिया होते हैं जो पेट और पाचन को बेहतर बनाते हैं।

बाजार में मिलने वाला चीज और मायोनीज से बेहतर है कि घर में ताजा दही से सैंडविच तैयार करें। ये एक हेल्दी नाश्ता है जिसे बच्चे भी स्वाद लेकर खाएंगे। वीकेंड में स्पेशल नाश्ता खाने का मन हो या बच्चों को शाम को स्नैक्स में कुछ हेल्दी खिलाना है। दही प्याज सैंडविच बना सकते हैं। अगर बच्चों को प्याज पसंद नहीं है तो इसकी जगह खीरा इस्तेमाल कर सकते हैं। जानिए दही प्याज का सैंडविच कैसे बनाते हैं और इसकी रेसिपी क्या है?

बनाने की विधिः सैंडविच बनाने के लिए आपको गाढ़ा दही लेना है। इसके लिए नॉर्मल दही को किसी लेनिन के कपड़े में डालकर दही का एक्स्ट्रा पानी निकाल दें। अब पानी निकले हुए दही को एक बाउल में डालें और उसमें पसंदीदा सब्जियां डाल दें।

अगर आपके पास बहुत सब्जियां नहीं है तो सिर्फ बारीक कटा प्याज, धनिया और हरी मिर्च डालकर भी सैंडविच बना सकते हैं। इसके अलावा कद्दूकस किया हुआ गाजर, उबले कॉर्न, बीन्स और शिमला मिर्च बारीक काटकर मिला लें। 1 बड़ा चम्मच ओरिगैनो पाउडर, चिली फ्लेक्स, नमक और काली मिर्च डाल दें। आप चाहें तो इसमें 1 चम्मच पिसी चीनी और बारीक कटा हरा धनिया डाल दें। सारी चीजों को अच्छी तरह से मिक्स कर लें।

अब ब्रेड की स्लास लें और उसके ऊपर एक बड़ा चम्मच दही वाला मिक्स रखकर फैला दें। अब इसके ऊपर दूसरी ब्रेड स्लाइस रखें और तवा गर्म करके 1 चम्मच देसी घी डालें। घी को फैला लें और इसके ऊपर थोड़ी राई और जीरा डालकर 2-4 करी पत्ता डाल दें।

इसके ऊपर ब्रेड रख दें और दबाकर एक साइड से गोल्डन होने तक ब्रेड को सेंक लें। अब ब्रेड की दूसरा साइड घी लगाएं और अच्छी तरह से दोनों ओर से सेंक लें।

दही प्याज का ब्रेड सैंडविच बनकर तैयार है। आप इसे तिकोनी शेप में या किसी भी शेप में काटकर सर्व करें।

# गर्मी में मनी प्लांट को रखें हरा-भरा, बस समय पर ये चीज डालें

**यूनिक समय, मथुरा।** मनी प्लांट के बढ़ने का बेस्ट टाइम होता है गर्मी और बारिश का मौसम। इस मौसम में अगर पौधे की सही तरीके से देखभाल की जाए तो मनी प्लांट कुछ ही दिनों में हराभरा हो जाएगा और नई पत्तियां आने लगेंगी।

घरों में प्लांट लगाने का चलन पिछले कुछ सालों में तेजी से बढ़ा है। मल्टी स्टोरी बिल्डिंग में रहने वाले लोग अपनी बालकनी को पौधों से सजाकर रखते हैं। घर में लगे प्लांट्स न सिर्फ दिखने में सुंदर लगते हैं बल्कि इसके कई फायदे भी होते हैं। मनी प्लांट से लेकर स्नेक प्लांट तक ऐसे कई पौधे हैं जो घर में सुख समृद्धि लाते हैं और हवा को भी शुद्ध करते हैं। मनी प्लांट का पौधा आसानी से लग जाता है। इसे आप मिट्टी या पानी कहीं भी लगा सकते हैं। गर्मियों में मनी प्लांट का पौधा तेजी से ग्रो करता है अगर पौधे की सही देखभाल की जाए। आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बता रहे हैं जिससे आपका मनी प्लांट तेजी से बढ़ने लगेगा और नई पत्तियां आने लगेंगी। मनी प्लांट का पौधा अगर आपके घर में मिट्टी के अंदर लगा है तो इसकी बेल बहुत तेजी से बढ़ती है। गर्मी के दिनों में मनी प्लांट को पानी की जरूरत होती है। मिट्टी के ऊपर की परत सूखने के बाद ही मनी प्लांट में पानी डालें। ज्यादा पानी डालने से पौधा अंदर से गल जाता है और पत्तियां पीली या काली पड़ने लगती है।

गर्मियों में मनी प्लांट के पौधे को हफ्ते में एक दो बार पानी से जरूर नहलाएं। मनी प्लांट के पौधे को शावर बहुत पसंद होता है। इससे पौधे की पत्तियों में चमक आती है और नई पत्तियां जल्दी से निकलने और बढ़ने लगती है। इसलिए पौधे की पत्तियों को क्लीन रखना जरूरी है। सीधी धूप से पौधे को बचाएं।

मनी प्लांट की मिट्टी को 15 दिन में एक बार गुड़ाई जरूर कर दें। आप इसमें थोड़ा खाद भी डाल सकते हैं। मनी प्लांट में वर्मीकंपोस्ट खाद डालना अच्छा होता है। इसके अलावा पौधे में कोकोपिट भी डाल सकते हैं। लेकिन कोकोपिट डालने के बाद गमले में पानी कम ही डालें।

मनी प्लांट की पीली पड़ रही पत्तियों को हटाते रहें। इससे पौधे में जान बनी रहती है। आप हफ्ते में 1 बार किसी नेचुरल फर्टिलाइजर का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए पौधे की जड़ में चाय की पत्ती या कभी सीमित मात्रा में बेकिंग सोडा वाली पानी भी डाल सकते हैं।

अगर मनी प्लांट कांच की बोतल में और पानी में लगा है तो हफ्ते में 1 बार पानी जरूर बदल दें। मनी प्लांट में आरओ वाटर डालेंगे तो ज्यादा अच्छा होगा। जब पौधे का पानी बदलें तो पत्तियों को भी वॉश करके दोबारा पानी में डालें। पानी में जड़ें बहुत ज्यादा दिखने लगें तो पौधे को मिट्टी में लगा दें।

## सुविचार

मुस्कान दूसरों को दिया जाने वाला सबसे अच्छा उपहार है।

## कल का पंचांग

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| तिथि | षष्ठी | 01:20-10:49 तक | पक्ष | शुक्ल पक्ष |
| नक्षत्र | आद्रा | 11:58- 10:13 तक | माह | बैशाख |
| सूर्योदय | | 5:52 AM | चन्द्रोदय | 09:46 AM |
| सूर्यास्त | | 6:43 PM | चंद्रास्त | 12:25 AM |
| सूर्य राशि | | मेष राशि | चंद्र | मिथुन राशि |
| शुभ मुहूर्त | | | ब्रहम् मुहूर्त | 04:26-05:14 |
| त्योहार/व्रत | | | विक्रम संवत् | 2083 |
| राहुकाल | | 12:17 PM: 01:54 PM | वार | बुधवार |

## ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

### मसूर दाल: पोषण से भरपूर, परंपराओं में तामसिक मानी गई

# मंदिरों में उपयोग करना वर्जित

**यूनिक समय, मथुरा।** भारतीय खानपान में दालों का विशेष स्थान है, खासकर शाकाहारी लोगों के लिए यह प्रोटीन का प्रमुख स्रोत मानी जाती हैं। इन्हीं दालों में से एक है मसूर दाल, जो पोषण के लिहाज से बेहद लाभकारी मानी जाती है।

लेकिन दिलचस्प बात यह है कि जहां एक ओर इसे स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद बताया जाता है, वहीं दूसरी ओर धार्मिक मान्यताओं के कारण इसे कई जगह तामसिक और मांसाहारी के समान माना जाता है।

## कामधेनु की पौराणिक कथा से जुड़ी मान्यता

## तामसिक मानकर कई लोग करते हैं परहेज

हिंदू धर्म में भोजन को मुख्यतः तीन श्रेणियों में बांटा गया है–सात्विक, राजसिक और तामसिक। सात्विक भोजन को शुद्ध और मन को शांत रखने वाला माना जाता है, जबकि तामसिक भोजन को आलस्य और नकारात्मकता बढ़ाने वाला बताया गया है। कई धार्मिक परंपराओं के अनुसार मसूर दाल तामसिक श्रेणी में आती है, इसलिए इसे मंदिरों के भोग, व्रत और पूजा–पाठ में शामिल नहीं किया जाता। विशेष रूप से वैष्णव परंपरा के अनुयायी इसे परहेज के रूप में देखते हैं।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

मसूर दाल को लेकर एक पौराणिक कथा भी प्रचलित है, जो इसकी तामसिक छवि को और मजबूत करती है। कथा के अनुसार ऋषि जमदग्नि की दिव्य गाय कामधेनु को हैहय वंश के राजा सहस्त्रार्जुन जबरन ले जाने लगे। संघर्ष के दौरान कामधेनु घायल हो गई और जहां–जहां उसका रक्त गिरा, वहां मसूर के पौधे उग आए। इस मान्यता के आधार पर कुछ लोग इसे रक्त से उत्पन्न मानते हैं और इसी कारण इसे शुद्ध आहार की श्रेणी में नहीं रखते।

कुछ परंपराओं में यह भी कहा जाता है कि मसूर दाल का उपयोग तांत्रिक अनुष्ठानों में किया जाता है, जबकि सात्विक पूजा पद्धतियों में इसे वर्जित रखा जाता है। बंगाल सहित कई क्षेत्रों में ब्राह्मण समुदाय इसे प्याज और लहसुन की तरह तामसिक मानते हैं और विशेष दिनों, जैसे एकादशी या धार्मिक पर्वों पर इसका सेवन नहीं करते।

हालांकि वैज्ञानिक और पोषण विशेषज्ञ मसूर दाल को प्रोटीन, फाइबर, आयरन और विटामिन्स का बेहतरीन स्त्रोत मानते हैं। यह शरीर को ऊर्जा देने के साथ–साथ पाचन और हृदय स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी होती है। आयुर्वेद में इसे उष्ण प्रकृति का माना गया है, यानी यह शरीर में गर्मी बढ़ा सकती है, इसलिए संतुलित मात्रा में सेवन की सलाह दी जाती है।

इस तरह मसूर दाल एक ऐसा खाद्य पदार्थ है, जो पोषण और परंपरा–दोनों के बीच संतुलन का उदाहरण प्रस्तुत करता है। जहां एक ओर यह स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है, वहीं दूसरी ओर धार्मिक आस्थाओं के कारण इसका उपयोग सीमित किया जाता है।

## मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8 .00 से दोपहर 01 .30 बजे तक और शाम 4 .00 से रात 9 .00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6 .30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7 .30 बजे तक।

## कल का राशिफल

कल का दिन सभी राशियों के लिए संतुलन, समझदारी और धैर्य के साथ आगे बढ़ने का संकेत दे रहा है। अधिकांश राशियों को आज मिश्रित परिणाम मिलेंगे, जहां कुछ क्षेत्रों में सफलता मिलेगी तो कुछ मामलों में सतर्कता जरूरी होगी।

**मेष** राशि के जातकों को कार्यक्षेत्र में योजनाबद्ध तरीके से काम करना होगा। जल्दबाजी से बचें, मेहनत का फल धीरे–धीरे मिलेगा। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी, लेकिन खर्चों पर नियंत्रण जरूरी है।

**वृषभ** राशि के लोगों को आज काम में अच्छे अवसर मिल सकते हैं, लेकिन निर्णय सोच–समझकर लें। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना होगा। परिवार का सहयोग मिलेगा।

**मिथुन** राशि के जातकों के लिए दिन रचनात्मक रहेगा। नए विचार मिलेंगे, लेकिन उन्हें सही दिशा में लागू करना जरूरी होगा। आर्थिक स्थिति स्थिर रहेगी।

**कर्क राशि** के लोगों को कामकाज में थोड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। धैर्य से काम लें, परिवार का सहयोग बना रहेगा।

**सिंह राशि** के जातकों को कार्यक्षेत्र में सफलता के अवसर मिलेंगे, लेकिन अहंकार से बचना जरूरी है। आर्थिक मामलों में सुधार के संकेत हैं।

**कन्या राशि** के लिए दिन जिम्मेदारियों से भरा रहेगा। मेहनत अधिक करनी होगी, लेकिन परिणाम संतोषजनक रहेंगे। खर्चों पर नियंत्रण रखें।

**तुला राशि** के लोगों के लिए दिन संतुलन बनाए रखने का है। कार्यक्षेत्र में सहयोग मिलेगा, लेकिन निर्णय सोच–समझकर लें।

**वृश्चिक राशि** के जातकों को धैर्य और समझदारी से काम लेना होगा। आर्थिक मामलों में सावधानी बरतें और जल्दबाजी से बचें।

**धनु राशि** के लिए दिन सकारात्मक रहेगा, लेकिन नए काम शुरू करने से पहले योजना बनाना जरूरी होगा। परिवार का सहयोग मिलेगा।

**मकर राशि** के जातकों को अनुशासन के साथ काम करना होगा। आर्थिक मामलों में सोच–समझकर कदम उठाएं।

**कुंभ राशि** के लोगों के लिए नए अवसर मिल सकते हैं, लेकिन उन्हें पहचानना और सही दिशा में उपयोग करना जरूरी होगा।

**मीन राशि** के जातकों के लिए दिन मानसिक शांति और संतुलन बनाए रखने का है। स्वास्थ्य और आर्थिक मामलों में सावधानी जरूरी है।

# गरुड़ पुराण: इन कर्मों से मृत्यु के बाद भी नहीं मिलती शांति

**यूनिक समय, मथुरा।** हिंदू धर्म के प्रमुख ग्रंथ गरुड़ पुराण में जीवन, मृत्यु और कर्मों के फल का विस्तृत वर्णन मिलता है। मान्यता है कि व्यक्ति के कर्म ही तय करते हैं कि मृत्यु के बाद उसकी आत्मा को शांति मिलेगी या उसे कष्टों का सामना करना पड़ेगा। यही कारण है कि किसी के निधन के बाद घरों में इस ग्रंथ का पाठ किया जाता है, ताकि आत्मा की शांति के लिए मार्ग प्रशस्त हो सके।

गरुड़ पुराण में बताया गया है कि मृत्यु के बाद आत्मा को यमलोक जाना पड़ता है, जहां उसके कर्मों का पूरा हिसाब होता है। अच्छे कर्म करने वालों को सुख और शांति प्राप्त होती है, जबकि बुरे कर्म करने वालों को कठिन दंड झेलने पड़ते हैं।

इस ग्रंथ में कुछ ऐसे पापों का विशेष उल्लेख मिलता है, जिनके परिणाम अत्यंत गंभीर बताए गए हैं। धार्मिक

मान्यताओं के अनुसार गौ हत्या को बड़ा पाप माना गया है। कहा जाता है कि इस कर्म के कारण आत्मा को लंबे समय तक शांति नहीं मिलती।

इसी तरह माता–पिता और गुरु का अनादर करना भी गंभीर अपराध बताया गया है। जो लोग अपने जीवन में उनका सम्मान नहीं करते, उन्हें मृत्यु के बाद इसके दुष्परिणाम भुगतने पड़ते हैं। गरुड़ पुराण में भ्रूण हत्या को भी सबसे कठोर पापों में गिना गया है। इसके अनुसार ऐसा करने वाले व्यक्ति को मृत्यु के बाद कठोर दंड मिलता है और उसकी आत्मा को मुक्ति मिलना कठिन हो जाता है।

इसके अलावा झूठ बोलना, विश्वासघात करना और किसी को नुकसान पहुंचाने के लिए गलत गवाही देना भी पाप माना गया है। ऐसे कर्म करने वालों को मृत्यु के बाद लंबे समय तक कष्ट झेलने पड़ते हैं। इस प्रकार गरुड़ पुराण यह स्पष्ट संदेश देता है कि मनुष्य को अपने जीवन में सदाचार, सत्य और नैतिकता का पालन करना चाहिए, क्योंकि कर्मों का फल केवल इस जीवन में ही नहीं, बल्कि मृत्यु के बाद भी भोगना पड़ता है।

# जहां प्रकट हुआ महामृत्युंजय मंत्र, वही है जागेश्वर धाम

**यूनिक समय, मथुरा।** भारत के धार्मिक और प्राकृतिक स्थलों में कई ऐसी जगहें हैं, जो प्रसिद्ध तीर्थों की भीड़–भाड़ से दूर होते हुए भी अद्भुत आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करती हैं। उत्तराखंड के कुमाऊं क्षेत्र में स्थित जागेश्वर धाम ऐसा ही एक रहस्यमय और आकर्षक स्थान है, जिसे देवभूमि का एक अनमोल रत्न माना जाता है। नैनीताल से आगे पहाड़ों की ओर बढ़ते हुए घने देवदार के जंगलों के बीच बसे जागेश्वर में लगभग 100 से अधिक प्राचीन मंदिरों का समूह है। यह स्थान भगवान शिव को समर्पित है और यहां की शांत, दिव्य और प्राकृतिक वातावरण श्रद्धालुओं को गहरे आध्यात्मिक अनुभव से भर देता है।

मान्यता है कि यहीं पर प्रसिद्ध महामृत्युंजय मंत्र प्रकट हुआ था, जो भगवान शिव का अत्यंत शक्तिशाली और चमत्कारी मंत्र माना जाता है।

कुमाऊं क्षेत्र में भगवान शिव के तीन प्रमुख धाम बताए जाते हैं–जागेश्वर, बागेश्वर और मुक्तेश्वर। इन तीनों स्थानों की भौगोलिक स्थिति भी अपने आप में खास है। मुक्तेश्वर पहाड़ की उंची चोटी पर स्थित है, जहां से प्रकृति का अद्भुत दृश्य दिखाई देता है। बागेश्वर समतल क्षेत्र में स्थित है, जहां सरयू और गोमती नदियों का संगम होता है। वहीं जागेश्वर घाटी में, नीचे की ओर स्थित है, जिसे प्रतीकात्मक रूप से "पाताल" से जोड़ा जाता है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जागेश्वर को भगवान शिव के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक मानने की भी परंपरा है, हालांकि यह आधिकारिक सूची में शामिल नहीं है। फिर भी इसकी आध्यात्मिक महत्ता किसी भी प्रसिद्ध तीर्थ से कम नहीं मानी जाती। यहां का वातावरण इतना शांत और ऊर्जा से भरपूर है कि साधक और श्रद्धालु ध्यान और साधना के लिए इसे विशेष स्थान मानते हैं। इतिहासकारों के अनुसार, जागेश्वर मंदिर समूह का निर्माण 7वीं से 12वीं शताब्दी के बीच हुआ था, जो इसकी प्राचीनता और स्थापत्य कला को दर्शाता है। पत्थरों से बने ये मंदिर आज भी अपनी भव्यता और रहस्य को संजोए हुए हैं। जागेश्वर की सबसे खास बात यह है कि यहां अभी भी बड़े तीर्थस्थलों जैसी भीड़ नहीं होती, जिससे श्रद्धालु शांति से दर्शन और ध्यान कर सकते हैं। प्राकृतिक सौंदर्य, पौराणिक महत्व और आध्यात्मिक ऊर्जा का संगम इसे एक अनोखा तीर्थ बनाता है।

यदि जीवन में कभी उत्तराखंड जाने का अवसर मिले, तो जागेश्वर, बागेश्वर और मुक्तेश्वर–इन तीनों धामों के दर्शन जरूर करने चाहिए। यह यात्रा केवल पर्यटन नहीं, बल्कि आत्मिक शांति और आध्यात्मिक अनुभव का एक दुर्लभ अवसर बन सकती है।

## व्रत–त्योहार का कैलेंडर 2026

- 27 अप्रैल: मोहिनी एकादशी
- 28 अप्रैल: भौम प्रदोष व्रत
- 1 मई : वैशाख पूर्णिमा
- 5 मई: एकदन्त संकष्टी
- 13 मई: अपरा एकादशी
- 14 मई: गुरु प्रदोष व्रत
- 15 मई: ज्येष्ठ मासिक शिवरात्र
- 16 मई : ज्येष्ठ शनि अमावस्या
- 20 मई : वरद चतुर्थी
- 27 मई: पद्मिनी एकादशी
- 28 मई: गुरु प्रदोष व्रत
- 30 मई: ज्येष्ठ अधिक पूर्णिमा

## सम्पादकीय

# लोकार्पण से पहले लगी आग सिस्टम की लापरवाही जली

पचपदरा रिफाइनरी में हुआ अग्निकांड कोई साधारण घटना नहीं है, लेकिन हमारे तंत्र की खासियत यही है कि वह असाधारण घटनाओं को भी बड़ी सहजता से "सामान्य" साबित करने में माहिर है। लोकार्पण से ठीक पहले लगी आग ने एक बार फिर यह दिखा दिया कि हम विकास के मंच तो भव्य बना लेते हैं, लेकिन उसकी बुनियाद में सुरक्षा और जिम्मेदारी अक्सर कमजोर ही छोड़ देते हैं।

यह घटना ऐसे समय हुई जब प्रधानमंत्री का दौरा प्रस्तावित था और पूरा प्रशासन "तैयारियों" में व्यस्त था। आमतौर पर इन तैयारियों का मतलब होता है–सड़कें चमकाना, दीवारें रंगना और बैनर लगाना। सुरक्षा की असली परतें शायद उसी रंगाई–पुताई के नीचे कहीं दब जाती हैं। अब सवाल यह है कि जब इतना बड़ा आयोजन था, तब क्या सुरक्षा भी केवल "दिखाने" के लिए थी?

पवन गौतम
संपादक

अगर यह हादसा लापरवाही का नतीजा है, तो यह वही पुरानी कहानी है–"सब ठीक है" की फाइलें, "सब नियंत्रण में है" के बयान और "जांच के आदेश" की औपचारिकता। और अगर इसमें सुरक्षा एजेंसियों की चूक शामिल है, तो मामला और गंभीर हो जाता है, क्योंकि फिर यह केवल एक फैक्ट्री की आग नहीं, बल्कि सिस्टम की सोच में लगी आग है।

दिलचस्प बात यह है कि हम हर बड़ी घटना के बाद "उच्च स्तरीय जांच" की घोषणा जरूर करते हैं। जांच समितियां बनती हैं, रिपोर्टें तैयार होती हैं और फिर वे रिपोर्टें भी शायद किसी फाइल के नीचे आराम फरमाने लगती हैं। नतीजा वही–अगली घटना के लिए मंच तैयार।

इस कॉलम को मोबाइल पर सुनने के लिए QR कोड को स्कैन करें।

करीब 80 हजार करोड़ रुपये की इस महत्वाकांक्षी परियोजना को लेकर पूरे राजस्थान में उम्मीदें थीं। यह केवल एक रिफाइनरी नहीं, बल्कि विकास का प्रतीक मानी जा रही थी। लेकिन इस आग ने यह सवाल खड़ा कर दिया कि क्या हम केवल परियोजनाएं बनाने में आगे हैं या उन्हें सुरक्षित और जिम्मेदारी से संचालित करने में भी उतने ही सक्षम हैं?

व्यंग्य यह है कि हम अंतरराष्ट्रीय घटनाओं पर तुरंत प्रतिक्रिया देते हैं, लेकिन अपने ही घर में लगी आग को अक्सर "तकनीकी खामी" कहकर टाल देते हैं। कुछ दिन शोर होता है, फिर सब सामान्य हो जाता है–जब तक अगली "घटना" न हो जाए।

सच्चाई यह है कि ऐसी घटनाओं को हल्के में लेना सबसे बड़ी गलती है। यह समय है कि जिम्मेदारी तय हो, जवाबदेही सुनिश्चित हो और सुरक्षा को केवल औपचारिकता नहीं, प्राथमिकता बनाया जाए। वरना हर लोकार्पण से पहले कोई न कोई "चिंगारी" हमें हमारी हकीकत दिखाती रहेगी।

## नजरिया

# स्वास्थ्य सेवाओं में संवाद टूटता विश्वास लगातार कमजोर होता

बोध प्रकाश सगुणी

जनसंपर्क दिवस विशेष पर स्वास्थ्य सेवाओं में संवादहीनता और टूटते विश्वास का प्रश्न आज पहले से कहीं अधिक गंभीर और प्रासंगिक हो गया है। भारत जैसे विशाल और विविधताओं से भरे देश में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति केवल चिकित्सा ढांचे तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक विश्वास, मानवीय संवेदनाओं और संवाद की गुणवत्ता से गहराई से जुड़ी हुई है। हर वर्ष जब जनसंपर्क दिवस मनाया जाता है, तो यह केवल एक औपचारिक अवसर नहीं होना चाहिए, बल्कि यह आत्ममंथन का समय होना चाहिए कि क्या हम वास्तव में स्वास्थ्य सेवाओं में जनसंपर्क की मूल भावना को समझ पाए हैं या नहीं। स्वास्थ्य क्षेत्र में जनसंपर्क का अर्थ केवल मीडिया प्रबंधन या किसी संस्थान की छवि सुधारना नहीं है, बल्कि यह डॉक्टर, मरीज, अस्पताल प्रशासन और समाज के बीच एक ऐसा सेतु है जो विश्वास, पारदर्शिता और संवेदनशीलता पर आधारित होता है। दुर्भाग्यवश भारत में यह सेतु आज भी कमजोर है और अनेक स्थानों पर तो लगभग अनुपस्थित दिखाई देता है। स्वास्थ्य सेवाओं में जनसंपर्क का मूल उद्देश्य मरीज और चिकित्सक के बीच ऐसा संवाद स्थापित करना है जिसमें विश्वास की भावना सर्वोपरि हो। वर्ष 1958 में प्रख्यात चिकित्सक डॉ. बीसी रॉय ने कहा था कि स्वास्थ्य सेवाओं में जनसंपर्क केवल तकनीकी व्यवस्था नहीं बल्कि चिकित्सा का नैतिक आधार है, लेकिन आज सात दशकों बाद भी यह विचार व्यवहारिक स्तर पर उतना प्रभावी नहीं हो पाया जितना होना चाहिए था। भारत में स्वास्थ्य पर होने वाला व्यय जीडीपी का लगभग दो प्रतिशत के आसपास है जो वैश्विक मानकों की तुलना में काफी कम है और संसाधनों की यह कमी केवल चिकित्सा सुविधाओं तक सीमित नहीं रहती बल्कि जनसंपर्क व्यवस्था को भी प्रभावित करती है, जिसके परिणामस्वरूप देश की बड़ी आबादी गुणवत्तापूर्ण और संवेदनशील स्वास्थ्य संवाद से वंचित रह जाती है। यदि सरकारी और निजी अस्पतालों की स्थिति पर नजर डालें तो स्पष्ट अंतर दिखाई देता है, निजी अस्पतालों में जनसंपर्क एक सुनियोजित प्रक्रिया के रूप में कार्य करता है जहाँ मरीजों से संवाद, फीडबैक, शिकायत निवारण और छवि निर्माण जैसी गतिविधियाँ व्यवस्थित रूप से संचालित होती हैं, जबकि इसके विपरीत सरकारी अस्पतालों में जनसंपर्क कोई अलग संरचित विभाग नहीं होता और वहाँ यह भूमिका अस्पताल प्रशासन, डॉक्टरों तथा पैरामेडिकल स्टाफ के व्यवहार पर निर्भर करती है, यही कारण है कि कई बार मरीजों को संवाद की कमी, अव्यवस्थित जानकारी और भावनात्मक दूरी का सामना करना पड़ता है। सरकारी अस्पतालों पर अत्यधिक मरीजों का दबाव होता है और एक डॉक्टर को सीमित समय में अनेक मरीजों को देखना पड़ता है जिससे संवाद की गुणवत्ता प्रभावित होती है और यह स्थिति केवल चिकित्सा व्यवस्था की नहीं बल्कि जनसंपर्क की भी एक तरह की कमजोरी को दर्शाती है। स्वास्थ्य सेवाओं में सबसे महत्वपूर्ण संबंध डॉक्टर और मरीज के बीच का होता है जो केवल उपचार तक सीमित नहीं है बल्कि विश्वास, समझ और संवेदनशीलता पर आधारित होता है, जब मरीज डॉक्टर के पास आता है तो वह केवल इलाज नहीं बल्कि आश्वासन भी चाहता है और यदि संवाद कमजोर हो जाए तो गलतफहमियाँ जन्म लेती हैं जो कई बार असंतोष, विरोध और यहां तक कि हिंसा का रूप भी ले लेती हैं, हाल के वर्षों में डॉक्टरों पर हमलों और अस्पतालों में हिंसा की घटनाओं में वृद्धि इस बात का संकेत है कि स्वास्थ्य सेवाओं में जनसंपर्क की स्थिति चिंताजनक होती जा रही है। अच्छा जनसंपर्क केवल जानकारी देना नहीं है बल्कि सही समय पर सही भाषा में संवाद स्थापित करना है और एक संवेदनशील डॉक्टर का व्यवहार कई बार दवा से अधिक प्रभावी साबित होता है। जब स्वास्थ्य व्यवस्था में संवाद कमजोर

होता है तो उसका सीधा प्रभाव मरीजों के विश्वास पर पड़ता है, मरीज स्वयं को असुरक्षित और उपेक्षित महसूस करता है और यह स्थिति न केवल उपचार की गुणवत्ता को प्रभावित करती है बल्कि समाज में स्वास्थ्य प्रणाली के प्रति अविश्वास भी पैदा करती है। अस्पतालों में भीड़, लंबी प्रतीक्षा, अस्पष्ट जानकारी और संवेदनहीन व्यवहार मरीजों की नाराजगी का कारण बनते हैं और यदि इन्हें जनसंपर्क की दृष्टि से देखा जाए तो स्पष्ट होता है कि समस्या केवल चिकित्सा संसाधनों की नहीं बल्कि संवाद व्यवस्था की भी है। डॉक्टरों की सुरक्षा भी एक गंभीर विषय है और हाल के वर्षों में हुई घटनाओं ने यह प्रश्न खड़ा किया है कि क्या स्वास्थ्य सेवाओं में जनसंपर्क का संतुलन बिगड़ रहा है, लेकिन इसका समाधान केवल कानून या सुरक्षा व्यवस्था नहीं है बल्कि मरीज और डॉक्टर के बीच विश्वास का पुनर्निर्माण भी आवश्यक है क्योंकि यदि संवाद सही होगा तो तनाव और हिंसा की संभावनाएँ स्वतः कम हो जाएंगी। हड़तालों और विरोध प्रदर्शनों से समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकलता क्योंकि इसका सीधा प्रभाव मरीजों पर पड़ता है और जरूरत इस बात की है कि एक ऐसा संवाद तंत्र विकसित किया जाए जिसमें शिकायतों का समाधान समय पर और प्रभावी ढंग से हो सके। भारत में कुछ स्वास्थ्य संस्थान ऐसे भी हैं जिन्होंने जनसंपर्क को अपनी कार्यसंस्कृति का हिस्सा बनाया है और यह सिद्ध किया है कि यदि मरीज के साथ मानवीय व्यवहार और स्पष्ट संवाद हो तो चिकित्सा परिणाम भी बेहतर होते हैं, ऐसे संस्थानों में मरीजों को केवल उपचार नहीं मिलता बल्कि सम्मान और भरोसा भी मिलता है जो जनसंपर्क का वास्तविक उद्देश्य है। स्वास्थ्य सेवाओं में जनसंपर्क को मजबूत बनाने के लिए चिकित्सा शिक्षा प्रणाली में भी सुधार आवश्यक है क्योंकि डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ को केवल तकनीकी ज्ञान ही नहीं बल्कि संवाद कौशल और संवेदनशीलता का प्रशिक्षण भी दिया जाना चाहिए, मरीज से कैसे बात करनी है, उसकी चिंता को कैसे समझना है और कठिन परिस्थितियों में संयम कैसे बनाए रखना है जैसे कौशल चिकित्सा प्रशिक्षण का हिस्सा होने चाहिए। अंततः स्वास्थ्य सेवाएँ केवल उपचार का माध्यम नहीं हैं बल्कि समाज के विश्वास और मानवीय मूल्यों का प्रतिबिंब भी हैं और जनसंपर्क इस व्यवस्था की रीढ़ है जो यदि मजबूत हो तो पूरी प्रणाली अधिक प्रभावी और संवेदनशील बन सकती है, आज आवश्यकता इस बात की है कि स्वास्थ्य सेवाओं में जनसंपर्क को केवल एक औपचारिक शब्द न मानकर व्यवहार में उतारा जाए, डॉक्टर और मरीज के बीच संवाद को मजबूत किया जाए, अस्पतालों में पारदर्शिता लाई जाए और स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक मानवीय बनाया जाए ताकि चिकित्सा सेवा वास्तव में विश्वास, सहानुभूति और सम्मान का पर्याय बन सके।

## विचार विण्डो

# ग्रामीण घरों में नल के जल से महिलाओं का जीवन बदला

राम प्रकाश शर्मा

पिछले कुछ वर्षों में भारत के ग्रामीण जल ढांचे में आए तेज बदलाव ने महिलाओं के जीवन में महत्वपूर्ण परिवर्तन लाने शुरू कर दिए हैं। देश में 'जल जीवन मिशन' के तहत ग्रामीण नल कनेक्शनों का विस्तार अभूतपूर्व गति से हुआ है। वर्ष 2019 में जहां ग्रामीण घरों में नल जल कनेक्शन की उपलब्धता केवल लगभग 17 प्रतिशत थी, वहीं यह आंकड़ा 2024 तक बढ़कर करीब 79 प्रतिशत तक पहुंच गया है। इस विस्तार से अब देश के लगभग 15.2 करोड़ घरों तक सुरक्षित पेयजल की नियमित आपूर्ति संभव हो रही है।

इस बदलाव का सबसे बड़ा प्रभाव ग्रामीण महिलाओं और लड़कियों के दैनिक जीवन पर देखा जा रहा है, जो वर्षों से पानी लाने की जिम्मेदारी निभाती आ रही थीं। कई क्षेत्रों में महिलाओं को प्रतिदिन औसतन 30 से 40 मिनट केवल पानी लाने में खर्च करने पड़ते थे, जिससे उनका समय, श्रम और ऊर्जा बड़ी मात्रा में नष्ट होती थी। अब घरों में नल से जल उपलब्ध होने के कारण यह समय बच रहा है, जिसका उपयोग वे शिक्षा, आजीविका और अन्य उत्पादक गतिविधियों में कर पा रही हैं।

अध्ययनों के अनुसार, जल उपलब्धता में सुधार से महिलाओं को वर्षभर में औसतन 25 से 30 दिन तक का अतिरिक्त समय मिल रहा है। यह समय बचत केवल सुविधा नहीं बल्कि सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण का आधार बन रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में कई महिलाएं अब छोटे व्यवसाय, पशुपालन और कृषि कार्यों में अधिक सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। इससे उनकी आर्थिक भागीदारी में भी वृद्धि दर्ज की जा रही है।

जल संकट का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि जलवायु परिवर्तन के कारण देश के कई जिले गंभीर जल तनाव (वाटर स्ट्रेस) की स्थिति का सामना कर रहे हैं।

ऐसे में सुरक्षित और नियमित जल आपूर्ति न केवल घरेलू जीवन के लिए बल्कि कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए भी अत्यंत आवश्यक हो गई है।

सरकारी प्रयासों के साथ–साथ कुछ राज्यों में महिला नेतृत्व वाले जल प्रबंधन मॉडल भी सामने आए हैं। गुजरात में 'मुख्यमंत्री महिला पानी समिति प्रोत्साहन योजना' के तहत सैकड़ों जल समितियों का

संचालन पूरी तरह महिलाओं के हाथ में है, जबकि हजारों समितियों में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई है। इससे यह स्पष्ट होता है कि जब महिलाओं को निर्णय प्रक्रिया में शामिल किया जाता है, तो जल प्रबंधन अधिक प्रभावी और टिकाऊ बनता है। राजस्थान, ओडिशा और अन्य राज्यों में भी जल संसाधन प्रबंधन और कृषि योजनाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उदाहरण के तौर पर, ओडिशा मिलेट मिशन ने जलवायु अनुकूल खेती को महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण से जोड़कर एक नया मॉडल प्रस्तुत किया है, जिसमें महिला स्वयं सहायता समूह महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

हालांकि प्रगति के बावजूद चुनौतियां अभी भी मौजूद हैं। ग्रामीण जल प्रबंधन की निर्णय प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी अभी भी अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंच पाई है। अधिकांश जगहों पर महिलाएं जल उपयोगकर्ता तो हैं, लेकिन नीतिगत निर्णयों से दूर हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि जब तक महिलाओं को जल शासन में बराबरी की भूमिका नहीं मिलेगी, तब तक वास्तविक लैंगिक समानता संभव नहीं होगी। केंद्र सरकार के बजट में जेंडर बजटिंग के माध्यम से महिला केंद्रित योजनाओं को बढ़ावा दिया गया है, जिसमें पेयजल और स्वच्छता क्षेत्र का भी महत्वपूर्ण योगदान है। इसके साथ ही ग्राम स्तर पर जल समितियों में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित की गई है, जो एक सकारात्मक कदम माना जा रहा है।

विशेषज्ञों का कहना है कि जल सुरक्षा और लैंगिक समानता एक–दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। यदि जल प्रबंधन में महिलाओं की भूमिका को और मजबूत किया जाए तो न केवल ग्रामीण जीवन स्तर सुधरेगा बल्कि समुदायों की आर्थिक और सामाजिक स्थिति में भी बड़ा बदलाव आएगा। कुल मिलाकर, ग्रामीण नल जल योजनाओं के विस्तार ने महिलाओं के जीवन में एक नई संभावनाओं की शुरुआत की है। अब जरूरत इस बात की है कि इस परिवर्तन को और मजबूत करते हुए महिलाओं को जल प्रबंधन और निर्णय प्रक्रिया में वास्तविक भागीदारी दी जाए, ताकि जल सुरक्षा के साथ–साथ सामाजिक समानता का लक्ष्य भी हासिल किया जा सके।

# बदले समय पर होगा भारत–साउथ अफ्रीका का तीसरा टी20

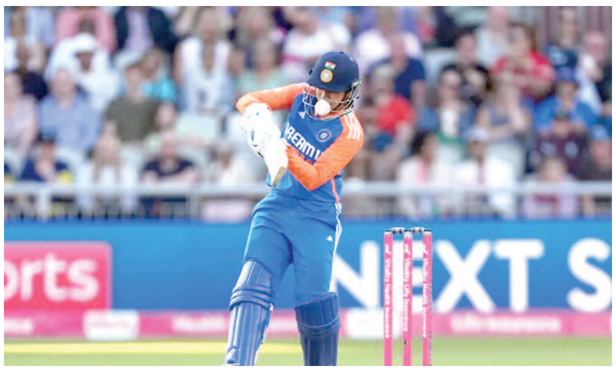

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** भारत और साउथ अफ्रीका की महिला टीमों के बीच खेली जा रही टी 20 इंटरनेशनल सीरीज रोमांचक मोड़ पर पहुंच चुकी है। पांच मैचों की इस सीरीज में अब तक दो मुकाबले हो चुके हैं और दोनों में भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में तीसरा मैच टीम इंडिया के लिए करो या मरो जैसा बन गया है। यह अहम मुकाबला 22 अप्रैल बुधवार को जोहानिसबर्ग के वांडरर्स स्टेडियम में खेला जाएगा। खास बात यह है कि इस मैच के समय में बदलाव किया गया है, जिसे जानना जरूरी है। तीसरा टी 20 मुकाबला भारतीय समयानुसार रात 9:30 बजे से शुरू होगा। इससे पहले सीरीज के पहले मैच की शुरुआत भी इसी समय हुई थी, जबकि दूसरा मैच शाम 5:30 बजे खेला गया था। सीरीज के बाकी मैचों के समय की बात करें तो चौथा मुकाबला भी रात 9:30 बजे से ही खेला जाएगा। वहीं पांचवां और आखिरी मैच फिर से शाम 5:30 बजे शुरू होगा। समय में इस बदलाव के कारण फैंस को अलर्ट रहने की जरूरत है, ताकि वे कोई भी मैच मिस न करें। भारतीय टीम के लिए यह सीरीज बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि आने वाले महिला टी 20 विश्व कप 2026 की तैयारियों के लिहाज से यह

## करो या मरो मुकाबला

### सीरीज के पहले दो मुकाबलों में भारतीय टीम को मिल चुकी है हार

एक बड़ा अवसर है। हालांकि शुरुआती दो मैचों में टीम का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। पहले मैच में भारत को 6 विकेट से हार मिली, जबकि दूसरे मैच में 8 विकेट से शिकस्त झेलनी पड़ी।

अब तीसरे मुकाबले में टीम इंडिया से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। अगर भारतीय टीम इस मैच में वापसी नहीं कर पाती है, तो सीरीज गंवाने का खतरा बढ़ जाएगा।

# धर्म पर ट्रोलिंग के बीच सारा खान का करारा जवाब

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** टीवी इंडस्ट्री की जानी–मानी अभिनेत्री सारा खान इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं, लेकिन वजह उनकी खुशी नहीं बल्कि सोशल मीडिया पर हो रही ट्रोलिंग है। 'सपना बाबुल का... बिदाई' से लोकप्रियता पाने वाली सारा ने दिसंबर 2025 में कृष पाठक से शादी की थी जो सुनील लहरी के बेटे हैं। शादी के बाद से उन्हें धर्म के आधार पर लगातार निशाना बनाया जा रहा है।

हाल ही में एक यूजर ने सारा को अपमानजनक मैसेज भेजते हुए लिखा कि उन्हें हिंदू से शादी नहीं करनी चाहिए थी और अपना 'खान' सरनेम हटाने की सलाह दी। इस पर सारा ने चुप रहने के बजाय कड़ा जवाब दिया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर स्क्रीनशॉट शेयर कर लिखा–"निराश हो? दुखद है, जाओ, इस निराशा में मर जाओ।" उनके इस जवाब ने ट्रोल्स को करारा संदेश दिया। सारा और कृष की शादी खास रही क्योंकि उन्होंने निकाह और सात फेरे दोनों रस्मों से विवाह किया। सारा ने इसे दो संस्कृतियों का खूबसूरत मेल बताया। हालांकि कुछ लोग इस सोच को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं।

गौरतलब है कि सारा पहले भी अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में रह चुकी हैं, लेकिन इस बार उन्होंने साफ कर दिया है कि वे अपनी पहचान और खुशियों से समझौता नहीं करेंगी। उनका यह रुख सोशल मीडिया पर नफरत के

# मारपीट के मामले में यूसुफ पठान के रिश्तेदार गिरफ्तार, सीसीटीवी से खुला राज

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** मुंबई के भायखला इलाके में मारपीट के एक मामले में पूर्व क्रिकेटर और टीएमसी सांसद यूसुफ पठान के ससुर और साले समेत तीन लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई सीसीटीवी फुटेज और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान के आधार पर की गई।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, घटना 18 अप्रैल की रात की है, जब एक स्थानीय निवासी यूसुफ खान की कार सड़क के गड्ढे में जाने से पानी उछलकर पास खड़े शोएब खान पर गिर गया। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच विवाद शुरू हो गया। आरोप है कि पहले शोएब खान ने गाली–गलौज करते हुए कार का शीशा तोड़ा और मारपीट की। बाद में जब यूसुफ खान पुलिस में शिकायत करने जा रहे थे, तभी रास्ते में यूसुफ पठान के ससुर खालिद खान और अन्य परिजनों ने मिलकर दोबारा हमला कर दिया। इस दौरान बांस की लाठियों

## प्रत्यक्षदर्शियों के बयान के आधार पर की गई कार्रवाई

और बेसबॉल बैट का इस्तेमाल किया गया। इस हमले में यूसुफ खान के साले सलमान का हाथ टूट गया, जबकि अन्य परिजनों को भी गंभीर चोटें आईं। पुलिस ने खालिद खान, उमरशाद खान और शोएब खान को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक आरोपी फरार बताया जा रहा है।

पुलिस ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ मारपीट और गंभीर चोट पहुंचाने का मामला दर्ज किया गया है। कोर्ट ने सभी आरोपियों को 2 मई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। वहीं बचाव पक्ष का कहना है कि यह मामूली विवाद था और दोनों पक्ष इसमें शामिल थे। फिलहाल पुलिस मामले की विस्तृत जांच में जुटी है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

# भारतीय तीरंदाजी पर डोपिंग का साया, तीसरे मामले ने बढ़ाई चिंता

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** भारतीय तीरंदाजी एक बार फिर डोपिंग विवाद के कारण चर्चा में आ गई है। अंतरराष्ट्रीय तीरंदाज सुखमणि गजानन बाबरेकर डोप टेस्ट में पॉजिटिव पाए गए हैं, जिससे इस खेल की साख पर सवाल उठने लगे हैं। तीरंदाजी जैसे अनुशासित खेल में डोपिंग के मामले बेहद कम सामने आते हैं, लेकिन यह अब तक का तीसरा मामला है, जिसने खेल प्रशासन और निगरानी प्रणाली पर चिंता बढ़ा दी है।

नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी (नाडा) द्वारा किए गए परीक्षण में सुखमणि के सैंपल में प्रतिबंधित पदार्थ टरब्यूटालाइन पाया गया, जो वर्ल्ड एंटी डोपिंग एजेंसी की सूची में शामिल है। यह पदार्थ बीटा–2 एगोनिस्ट श्रेणी में आता है और खिलाड़ियों के लिए प्रतिबंधित माना जाता है। रिपोर्ट सामने आने के बाद सुखमणि ने अस्थायी प्रतिबंध स्वीकार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, उनका सैंपल औरंगाबाद

## खिलाड़ियों को डोपिंग नियमों का पालन करने को जारी की जा सकती हैं नई गाइड लाइन

स्थित प्रशिक्षण केंद्र में लिया गया था। उन्हें बी सैंपल टेस्ट का विकल्प दिया गया था, लेकिन उन्होंने इसे नहीं कराया। अब उनसे इस पदार्थ के सेवन को लेकर जवाब मांगा गया है। यदि वे संतोषजनक जवाब नहीं दे पाते हैं, तो उन पर दो से चार साल तक का प्रतिबंध लगाया जा सकता है। इससे पहले भी तीरंदाजी में डोपिंग के कुछ मामले सामने आ चुके हैं, जिससे खेल की छवि प्रभावित हुई है। हाल ही में एक अन्य खिलाड़ी से भी नियमों के उल्लंघन पर जवाब मांगा गया था। इन घटनाओं के बाद भारतीय तीरंदाजी संघ अब सख्त कदम उठाने की तैयारी में है। खिलाड़ियों को डोपिंग नियमों का पालन करने के लिए नई गाइडलाइंस जारी की जा सकती हैं, ताकि भविष्य में ऐसे मामलों पर रोक लगाई जा सके।

# इकलौते प्यार को खोकर टूटीं अनीत पड्डा

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** उभरती अभिनेत्री अनीत पड्डा इस समय गहरे व्यक्तिगत दुख से गुजर रही हैं। फिल्म सैयारा से पहचान बनाने वाली अनीत ने हाल ही में अपने दादाजी को खो दिया, जिन्हें वह अपनी जिंदगी का इकलौता प्यार मानती थीं। इस अपूरणीय क्षति ने उन्हें भीतर तक झकझोर दिया है।

अनीत ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट साझा करते हुए दादाजी को याद किया। उन्होंने एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह उनका हाथ थामे नजर आ रही हैं। अपने लंबे संदेश में उन्होंने लिखा कि दादाजी ने उन्हें निस्वार्थ और सच्चा प्यार सिखाया। उन्होंने वादा किया कि वह उनकी यादों, कहानियों और सीख को हमेशा अपने साथ रखेंगी। उनका यह पोस्ट पढ़कर फैंस भी भावुक हो गए। अनीत के लिए यह दुख इसलिए और गहरा है क्योंकि उनकी फिल्म सैयारा का उनकी निजी जिंदगी से खास जुड़ाव रहा है। फिल्म में उन्होंने अल्जाइमर रोग से जूझ रही मरीज का किरदार निभाया था, जबकि असल जिंदगी में उनके दादाजी भी इसी बीमारी से पीड़ित थे। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि दादाजी कई बातें भूल जाते थे, लेकिन उनके बीच का प्यार कभी कम नहीं हुआ। करियर की बात करें तो अनीत जल्द ही अभिनेता अहान पांडे के साथ एक नई रोमांटिक फिल्म में नजर आएंगी, जिसका निर्देशन मोहित सूरी कर रहे हैं। निजी दुख के बावजूद फैंस को उम्मीद है कि वह जल्द ही मजबूती के साथ वापसी करेंगी।

# कम बजट, बड़ा धमाका: 'यूथ' ने ओटीटी पर रचा सफलता का नया इतिहास

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** डिजिटल एंटरटेनमेंट की दुनिया में हर हफ्ते कई फिल्में रिलीज होती हैं, लेकिन कुछ ही ऐसी होती हैं जो अपनी सादगी और दमदार कहानी से दर्शकों के दिलों पर राज करती हैं। इन दिनों ऐसी ही एक तमिल फिल्म 'यूथ' ओटीटी प्लेटफॉर्म पर छाई हुई है। महज छह करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने न केवल सिनेमाघरों में शानदार प्रदर्शन किया, बल्कि ओटीटी पर भी नंबर 1 ट्रेंडिंग बनकर सबको चौंका दिया है।

19 मार्च को थिएटर में रिलीज होने के बाद 'यूथ' को 16 अप्रैल को ओटीटी पर रिलीज किया गया। रिलीज होते ही फिल्म ने टॉप ट्रेंडिंग सूची में पहला स्थान हासिल कर लिया। इसकी लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसे हिंदी समेत कई भाषाओं में उपलब्ध कराया गया है। दर्शकों ने फिल्म की कहानी और अभिनय को काफी सराहा है, जिसके चलते इसे आईएमडीबी पर 7.1 की मजबूत रेटिंग भी मिली है। फिल्म की कहानी एक 15 साल के लड़के प्रवीण के इर्द–गिर्द घूमती है, जो किशोरावस्था की उलझनों और सपनों के बीच अपनी पहचान तलाशता है। स्कूल लाइफ, पहला प्यार, दिल टूटना और पारिवारिक दबाव–इन सभी पहलुओं को फिल्म ने बेहद सादगी और सच्चाई के साथ पेश किया है। यही वजह है कि दर्शक इससे खुद को आसानी से जोड़ पा रहे हैं। बॉक्स ऑफिस पर भी 'यूथ' ने कमाल

## महज छह करोड़ रुपये के बजट में बनी यह फिल्म

कर दिखाया। सिर्फ 6 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने भारत में 50 करोड़ से ज्यादा और दुनियाभर में 70 करोड़ से अधिक की कमाई की। इस तरह यह 2026 की सबसे ज्यादा मुनाफा कमाने वाली फिल्मों में शामिल हो गई है। फिल्म में नए कलाकारों ने अपनी दमदार एक्टिंग से कहानी में जान डाल दी है। खासकर मुख्य अभिनेता के रूप में डेब्यू करने वाले कलाकार ने अपने सहज अभिनय से दर्शकों का दिल जीत लिया है। कुल मिलाकर, 'यूथ' एक ऐसी फिल्म है जो सादगी, भावनाओं और यथार्थ का बेहतरीन मिश्रण पेश करती है।

# गुमनामी में गईं रतन राजपूत, अब धीरे–धीरे संभल रही है जिंदगी

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** 'अगले जन्म मोहे बिटिया ही कीजो' में लाली के किरदार से मशहूर हुईं रतन राजपूत लंबे समय से टीवी और सोशल मीडिया से दूर हैं। कभी टीवी की टॉप एक्ट्रेसेस में गिनी जाने वाली रतन की जिंदगी 2018 में तब बदल गई, जब उनके पिता का निधन हुआ। इस गहरे सदमे ने उन्हें मानसिक रूप से तोड़ दिया और वह अवसाद में चली गईं।

इसके बाद उन्होंने ग्लैमर की दुनिया से दूरी बनाकर सादगी भरी जिंदगी चुनी। शहर छोड़कर गांव में रहना, खुद काम करना और आध्यात्म की ओर बढ़ना उनके जीवन का हिस्सा बन गया। इसी दौरान वह यूट्यूब के जरिए अपने अनुभव साझा करती रहीं।रतन की मुश्किलें यहीं खत्म नहीं हुईं। वह एक गंभीर ऑटोइम्यून बीमारी की चपेट में आ गईं, जिसके कारण उन्हें तेज रोशनी से भी परेशानी होने लगी। इस वजह से वह कैमरे और स्टूडियो से पूरी तरह दूर हो गईं। करीब छह साल तक संघर्ष करने के बाद अब उनकी सेहत में सुधार है। फिलहाल वह अपने परिवार के साथ शांत जीवन जी रही हैं और स्वास्थ्य व मानसिक शांति को प्राथमिकता दे रही हैं।

## भीषण गर्मी का कहर, हालात बेकाबू

# ताजमहल में पर्यटक बेहोश होकर गिरे

**यूनिक समय, लखनऊ।** उत्तर प्रदेश में इस समय भीषण गर्मी ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। कई जिलों में तापमान 44 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है, जिससे लोगों का घर से निकलना मुश्किल हो गया है। प्रयागराज में पारा 44.6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जबकि 26 जिलों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया है। मौसम विभाग ने इन इलाकों में लू का अलर्ट जारी किया है।

गर्मी का असर ऐतिहासिक स्थलों पर भी देखने को मिला। ताजमहल में तेज

### मेरठ में चलती बस में लगी आग, काशी में घाटों पर सन्नाटा, तापमान 44 डिग्री सेसिल्यस पार

धूप के कारण एक पर्यटक बेहोश होकर गिर पड़ा, जबकि कई अन्य पर्यटकों की तबीयत बिगड़ गई। सभी को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं वाराणसी के घाटों पर सन्नाटा पसरा रहा, जहां आमतौर पर भीड़ रहती है।

भीषण गर्मी के बीच आग लगने की घटनाएं भी तेजी से बढ़ी हैं। मेरठ में चलती बस में अचानक आग लग गई, हालांकि समय रहते सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। गाजियाबाद में एक मार्केट में लगी आग ने करीब 20 दुकानों को राख कर दिया। इन घटनाओं ने प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, महाराष्ट्र के आसपास बने एंटी–साइक्लोन के कारण अगले 4–5 दिनों तक तापमान में और वृद्धि होगी। अनुमान है कि कई जिलों में पारा 45 डिग्री सेल्सियस के पार जा सकता है। रात के तापमान में भी बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है, जिससे लोगों को राहत नहीं मिल पा रही। अगले तीन दिनों तक प्रदेश में तेज धूप और गर्म हवाएं चलने की संभावना है। हालांकि पश्चिमी यूपी में 27 अप्रैल के आसपास हल्की बारिश की उम्मीद जताई गई है, लेकिन पूर्वी हिस्सों में फिलहाल राहत के आसार नहीं हैं। विशेषज्ञों ने लोगों को दोपहर के समय बाहर न निकलने, अधिक पानी पीने और धूप से बचाव करने की सलाह दी है। लगातार बढ़ती गर्मी ने साफ कर दिया है कि आने वाले दिन और भी चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं।

# भाजपा पदयात्रा पर अखिलेश का तंज, सियासत गरमाई

### विपक्ष में बैठने के लिए अभी से मेहनत कर रहे हैं

**यूनिक समय, लखनऊ।** लखनऊ में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा की पदयात्रा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि शायद पहली बार कोई सत्ताधारी दल विपक्ष में बैठने के लिए अभी से मेहनत कर रहा है। उनके इस बयान के बाद प्रदेश की राजनीति में हलचल तेज हो गई है।

अखिलेश यादव ने पदयात्रा के आयोजन पर सवाल उठाते हुए कहा कि भीषण गर्मी में बिना तैयारी के यात्रा करना केवल दिखावा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा अपने ही मुद्दों पर अब जनता को भ्रमित करने का प्रयास कर रही है। रोजगार के मुद्दे को उठाते हुए उन्होंने कहा कि सरकार युवाओं को रोजगार देने में नाकाम रही है। उन्होंने एक उदाहरण देते हुए कहा कि एक युवक की चाय की दुकान भी बंद करा दी गई, जबकि सरकार को ऐसे छोटे व्यवसायों को बढ़ावा देना चाहिए।

महिला आरक्षण के मुद्दे पर भी उन्होंने सरकार को घेरा। उनका कहना था कि इस मुद्दे को राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है, जबकि असल जरूरत महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने की है।

उन्होंने मुख्यमंत्री के बयान पर भी कटाक्ष करते हुए कहा कि सरकार बड़े–बड़े नारे देती है, लेकिन जमीनी स्तर पर काम नजर नहीं आता। अखिलेश के इन बयानों से साफ है कि चुनावी माहौल में आरोप–प्रत्यारोप का दौर और तेज होने वाला है।

# जिंदा समाधि की जिद से मठ में मचा हड़कंप

**यूनिक समय, बाराबंकी।** उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में एक मठ उस समय सुर्खियों में आ गया, जब महंत ने जिंदा समाधि लेने की जिद पकड़ ली। असंद्रा थाना क्षेत्र के भवनियापुर स्थित श्रीराम जानकी मठ में इस फैसले के बाद हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। हालात को देखते हुए प्रशासन ने मौके पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया है, जबकि एसडीएम और सीओ लगातार महंत को समझाने में जुटे हैं।

दरअसल, पूरा विवाद मठ की जमीन को लेकर है। महंत मुकुंदपुरी का आरोप है कि फर्जी वसीयत के जरिए मठ की करोड़ों की संपत्ति हड़पने की कोशिश की गई। हालांकि तहसील प्रशासन ने पहले ही वसीयत को निरस्त कर मूल खातेदार के पक्ष में आदेश दिया था, लेकिन अब तक जमीन पर इसका समाधान नहीं हो सका। प्रशासनिक देरी से नाराज महंत ने अल्टीमेटम देते हुए 21 अप्रैल को जिंदा समाधि लेने की चेतावनी दी थी। तय तारीख आने पर वह अपने फैसले पर अड़े रहे, जिससे मठ परिसर में तनाव का माहौल बन गया। सूचना फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण भी मौके पर जुट गए।

फिलहाल प्रशासन स्थिति को संभालने और शांतिपूर्ण समाधान निकालने में जुटा है, लेकिन महंत की जिद के चलते हालात संवेदनशील बने हुए हैं।

## जेवर एयरपोर्ट : करोड़ों का मुआवजा, फिर भी रोजगार की तलाश जारी

# एक ही दिन में एक गांव में आ गईं 21 स्कॉर्पियो

**यूनिक समय, लखनऊ।** नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए जमीन अधिग्रहण के बाद जेवर क्षेत्र के कई गांवों की तस्वीर अचानक बदल गई है। करोड़ों रुपये के मुआवजे ने किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत तो किया, लेकिन इसके साथ रोजगार का संकट भी सामने आ गया है। हालात ऐसे हैं कि जहां पहले दोपहिया वाहन भी मुश्किल से दिखते थे, वहीं अब महंगी कारों की कतारें नजर आती हैं। दयानतपुर और रौनेरा जैसे गांवों में एक ही दिन में 21 स्कॉर्पियो गाड़ियों का पहुंचना चर्चा का विषय बन गया।

करीब 2,420 हेक्टेयर जमीन के अधिग्रहण के बदले लगभग 7,000 किसानों को 8,000 करोड़ रुपये से अधिक का मुआवजा मिला। कई किसानों ने इस रकम का सही उपयोग करते हुए नई जमीन खरीदी, घर बनाए और बच्चों की शिक्षा में निवेश किया। कुछ लोगों ने ट्रैक्टर, कमर्शियल वाहन और छोटे उद्योग शुरू कर स्थायी आय के स्रोत भी तैयार किए। हालांकि दूसरी तस्वीर भी उतनी ही अहम है। कई युवा अचानक आई इस समृद्धि के बावजूद रोजगार के अवसरों की कमी से जूझ रहे हैं। एयरपोर्ट में मिलने वाली 18 से 25 हजार रुपये की नौकरी उन्हें आकर्षित नहीं कर रही, जिससे बेरोजगारी का मुद्दा बना हुआ है।

किसानों का एक वर्ग मुआवजे में असमानता और अधूरे वादों से भी नाराज है। उनका कहना है कि जमीन की असली कीमत नहीं मिली और रोजगार के जो वादे किए गए थे, वे अब तक पूरे नहीं हुए।

जेवर की यह कहानी दिखाती है कि आर्थिक समृद्धि के साथ स्थायी रोजगार और संतुलित विकास भी उतना ही जरूरी है, वरना बदलाव अधूरा रह जाता है।

# नारी शक्ति वंदन पर सियासी संग्राम

### लखनऊ में गरजा जन आक्रोश मार्च

**यूनिक समय, लखनऊ।** लखनऊ में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' लोकसभा में पारित न होने को लेकर मंगलवार को राजनीतिक माहौल गर्म हो गया। भाजपा की ओर से राजधानी में 'जन आक्रोश महिला पद यात्रा' निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। यह पद यात्रा मुख्यमंत्री आवास से शुरू होकर विधानभवन तक पहुंची, जिसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी शामिल हुए। पदयात्रा के दौरान भाजपा नेताओं ने विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोला। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि महिलाओं के अधिकारों को लेकर विपक्ष की नकारात्मक भूमिका के कारण ही यह स्थिति बनी है। वहीं, केशव प्रसाद मौर्य ने आरोप लगाया कि सपा और कांग्रेस के खिलाफ महिलाओं में भारी नाराजगी है, जो आगामी चुनावों में देखने को मिलेगी।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने भी विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि सदन में इस महत्वपूर्ण विधेयक के गिरने के बाद विपक्ष का रवैया असंवेदनशील रहा। उन्होंने कहा कि यह केवल एक बिल नहीं, बल्कि महिलाओं के सशक्तिकरण से जुड़ा मुद्दा है, जिसे राजनीति का शिकार बनाया गया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में कहा कि यह पद यात्रा महिलाओं के सम्मान और अधिकारों की आवाज है। उन्होंने विपक्षी दलों को महिला विरोधी बताते हुए कहा कि प्रदेश की मातृशक्ति अब जागरूक है और अपने अधिकारों के लिए खड़ी हो रही है।

इस पूरे घटनाक्रम ने यह स्पष्ट कर दिया है कि महिला आरक्षण का मुद्दा अब सिर्फ संसद तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सड़कों पर भी इसकी गूंज तेज हो गई है। आने वाले समय में यह मुद्दा राजनीतिक बहस का केंद्र बना रह सकता है।

## महिला आरक्षण पर कांग्रेस का हमला भाजपा पर लगाए गंभीर आरोप

**यूनिक समय, लखनऊ।** लखनऊ में कांग्रेस ने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। पार्टी की सांसद प्रणीति शिंदे ने प्रेसवार्ता में आरोप लगाया कि महिला आरक्षण के मुद्दे पर भाजपा की मंशा स्पष्ट नहीं है और वह महिलाओं का राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल करना चाहती है। प्रणीति शिंदे ने कहा कि कांग्रेस हमेशा महिलाओं के अधिकारों के पक्ष में रही है और पंचायत स्तर पर महिला आरक्षण लागू करने की पहल भी कांग्रेस सरकारों ने ही की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा जल्दबाजी में इस मुद्दे को उठाकर जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस नेताओं ने इस विषय पर खुली चर्चा की मांग करते हुए कहा कि महिला आरक्षण को लेकर पारदर्शिता जरूरी है। वहीं आराधना मिश्रा मोना ने चुनौती दी कि यदि सरकार गंभीर है तो उत्तर प्रदेश विधानसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रस्ताव पारित करे, कांग्रेस उसका समर्थन करेगी। कांग्रेस के इन आरोपों के बाद महिला आरक्षण का मुद्दा एक बार फिर सियासी बहस के केंद्र में आ गया है, जिससे आने वाले चुनावों में यह बड़ा मुद्दा बन सकता है।


## मुख्य चिकित्सा अधिकारी, मथुरा

प॰सं॰–सीएमओ/डी॰एम॰ओ॰/मल॰ निरी॰/2026–27/379 दिनांक– 18 अप्रैल, 2026

प्रेस–विज्ञप्ति

**श्री आदित्य गोस्वामी, मलेरिया निरीक्षक**

निवासी–गोपीनाथ घेरा, निकट गौरधाम, वृन्दावन–मथुरा।

इस कार्यालय के पत्र संख्या–जि0मले0अ0/मलेरिया निरीक्षक/2024/5861–5862 दिनांक–26.09.2024, पत्र संख्या–जि0 मले0अ0/मलेरिया निरीक्षक/2024/5852–5853 दिनांक–20.11.2024, पत्र संख्या–जि0मले0अ0/मलेरिया निरीक्षक/2024/5977 5978 दिनांक–26.12.2024, पत्र संख्या–जि0मले0अ0/मलेरिया निरीक्षक/2025/5604 दिनांक–07.02.2025 के माध्यम से आपको सूचित किया गया था कि आप माह अप्रेल, 2024 में कुछ दिन राजकीय सेवा में उपस्थित होने के उपरान्त से बिना किसी सूचना के अनुपस्थित चल रहे है, आपको अपनी अनुपस्थित के सम्बंध में उक्त पत्रों के माध्यम से पत्राचार किया गया था परन्त आपके द्वारा न तो कोई स्पष्टीकरण प्रेषित किया गया है और न ही आप आज तक अपनी ड्यूटी पर उपस्थित हुये है। जिसके सम्बंध में इस कार्यालय के पत्र संख्या–मुचिअ/मलेरिया निरीक्षक/2025/5806 दिनांक–29, गई, 2025 के द्वारा अपर निदेशक, मलेरिया एवं बी0 बी0 डी0, लखनऊ को भी अवगत कराया जा चुका है तथा इस कार्यालय के पत्र संख्या–सी0एम0ओ0/डी0एम0ओ0/मले0निरी0/2025 26/12132 दिनांक–16, जनवरी, 2026 के द्वारा पुन: अन्तिम अवसर प्रदान करते हुये आपको 15 दिनों के अन्दर अपनी ड्यूटी पर उपस्थित होने हेतु पत्राचार किया जिसमें यह भी अंकन किया गया कि यदि आप निर्धारित अवधि में उपस्थित नहीं होते है तो यह मान लिया जायेगा कि आप राजकीय सेवा करने के इच्छुक नहीं है। परन्तु आपके द्वारा कोई प्रतिउत्तर प्रेषित नहीं किया गया। आपको युक्त–युक्त अवसर प्रदान करने के उपरान्त भी अपनी ड्यूटी पर उपस्थित न होना कर्मचारी आचरण नियमावली–1956 के विरूद्ध है, जिसके कम में उ0प्र0 सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली–1999 में दिये गये प्राविधानों के अर्न्तगत आपके विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही हेतु उच्चाधिकारियों को पत्राचार किया जा रहा है,। इसके उपरान्त भी आपके उपस्थित न होने और न ही कोई प्रतिउत्तर प्राप्त होने पर इस कार्यालय के प0सं0–सीएमओ/डी0एम0ओ0/मले0 निरी0/2026–27/67 दिनांक–02अप्रैल, 2026 को डा0 गोपाल बाबू, जिला मलेरिया अधिकारी, मथुरा एवं डा0 अनुज चौधरी, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, मथुरा द्वारा आपके आवास पर दिनांक–07.04.2026 को चस्पा कराया गया। जिसके फोटोग्राफ उनके द्वारा कार्यालय में प्राप्त कराये गये है, परन्तु आज दिनांक तक आपके द्वारा न तो उपस्थित दर्ज कराई गई और न ही कोई प्रतिउत्तर प्रस्तुत किया गया, जिससे स्पष्ट होता है कि आप राजकीय सेवा करने के इच्छुक नहीं है।

अत: इस प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से आपको अन्तिम सूचना के रूप में सूचित किया जाता है कि यदि आपको उक्त के सम्बंध में कुछ कहना हो विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक से तीन दिन के अन्दर अपना प्रतिउत्तर प्रस्तुत करें अन्यथा की स्थिति में आपकी सेवा समाप्ति हेतु उच्चाधिकारियों को सूचित कर दिया जायेगा जिसके लिये आप स्वयं उत्तरदायी होंगे।

**मुख्य चिकित्सा अधिकारी,मथुरा**

# पहलगाम हमले की बरसी: सेना का सख्त संदेश, यादों में जिंदा है दर्द

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** पहलगाम आतंकी हमले की पहली बरसी से पहले पूरा देश एक बार फिर उस काले दिन को याद कर रहा है, जिसने 26 बेगुनाह जिंदगियों को हमसे छीन लिया था। 22 अप्रैल 2025 की वह तारीख आज भी लोगों के दिलों में गहरे जख्म की तरह दर्ज है।

बैसरन घाटी, जिसे 'मिनी स्विट्जरलैंड' कहा जाता है, उस दिन खामोशी की जगह गोलियों और चीखों से गूंज उठी थी। अचानक हुए इस हमले में आतंकियों ने पर्यटकों को निशाना बनाते हुए अंधाधुंध फायरिंग की।

कुछ ही पलों में खुशियां मातम में बदल गईं और कई परिवार हमेशा के लिए बिखर गए। यह घटना सिर्फ एक आतंकी हमला नहीं, बल्कि देश की आत्मा को झकझोर देने वाली त्रासदी बन गई।

बरसी से ठीक पहले भारतीय सेना ने कड़ा संदेश देते हुए साफ कहा कि भारत न तो भूलता है और न ही माफ करता है। सेना ने अपने बयान में यह भी दोहराया कि जब इंसानियत की सीमाएं पार की जाती हैं, तो जवाब भी उतना ही सख्त दिया जाता है। यह संदेश उन ताकतों के लिए चेतावनी है, जो देश की शांति और सुरक्षा को चुनौती देने की कोशिश करती हैं। हमले के बाद भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिए सख्त कार्रवाई की। इस दौरान पाकिस्तान और पीओके में मौजूद आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर कई लॉन्चपैड नष्ट किए गए और बड़ी संख्या में आतंकियों को खत्म किया गया। इस कार्रवाई ने साफ कर दिया कि भारत किसी भी हमले का जवाब देने में पीछे नहीं हटेगा। एक साल बीत जाने के बाद भी उन परिवारों का दर्द कम नहीं हुआ है, जिन्होंने अपने अपनों को खोया। यह बरसी केवल एक तारीख नहीं, बल्कि उन मासूम जिंदगियों को याद करने का दिन है, जो नफरत की आग में बुझ गईं और देश को हमेशा के लिए गमगीन कर गईं।

### पीएम के संबोधन पर विवाद

# चुनाव आयोग से 700 नागरिकों ने की शिकायत

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हालिया राष्ट्र संबोधन को लेकर विवाद गहरा गया है। 18 अप्रैल को दिए गए इस भाषण के खिलाफ 700 से अधिक नागरिकों ने चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायतकर्ताओं में पूर्व अधिकारी, शिक्षाविद, सामाजिक कार्यकर्ता और पत्रकार शामिल हैं। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि यह संबोधन आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) का उल्लंघन करता है। 20 अप्रैल को मुख्य चुनाव आयुक्त को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि सरकारी मंचों के माध्यम से प्रसारित यह भाषण चुनावी प्रचार जैसा प्रतीत होता है, जिससे निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। दूरदर्शन, संसद टीवी और ऑल इंडिया रेडियो जैसे सरकारी माध्यमों के उपयोग पर भी सवाल उठाए गए हैं।

शिकायतकर्ताओं का कहना है कि इस तरह के प्रसारण से सत्ताधारी दल को अनुचित लाभ मिल सकता है, जो चुनावी समानता के सिद्धांत के खिलाफ है।

गौरतलब है कि इस समय असम, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी जैसे राज्यों में चुनावी प्रक्रिया जारी है और वहां आचार संहिता लागू है। ऐसे में सरकारी संसाधनों के उपयोग को लेकर नियम और सख्त हो जाते हैं। शिकायतकर्ताओं ने आयोग से मांग की है कि भाषण की सामग्री और उसके प्रसारण दोनों की जांच की जाए। साथ ही यह भी सुझाव दिया गया है कि यदि इस भाषण के लिए पूर्व अनुमति दी गई थी, तो विपक्षी दलों को भी समान समय दिया जाना चाहिए। इस मामले ने राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में बहस को तेज कर दिया है। अब निगाहें चुनाव आयोग के फैसले पर टिकी हैं कि वह इस शिकायत पर क्या कदम उठाता है।

# सीजफायर खत्म होने से पहले बढ़ी वार्ता की हलचल

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** अमेरिका और ईरान के बीच तनावपूर्ण हालात के बीच सीजफायर समाप्त होने में अब सिर्फ एक दिन शेष रह गया है। इस बीच डोनाल्ड ट्रंप की बेचैनी बढ़ती नजर आ रही है, क्योंकि ईरान की ओर से शांति वार्ता को लेकर अब तक कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

सूत्रों के अनुसार, ट्रंप अब सीधे ईरान के शीर्ष नेतृत्व से बातचीत करने की तैयारी में हैं। इससे पहले उन्होंने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा था कि अगर बातचीत नहीं हुई तो ईरान को गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।

वहीं, रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि

ईरान की ओर से इस्लामाबाद में संभावित वार्ता के संकेत दिए गए हैं, हालांकि आधिकारिक तौर पर अभी कोई ठोस निर्णय सामने नहीं आया है।

ट्रंप ने यह भी कहा है कि प्रस्तावित नया समझौता पूर्व परमाणु समझौते से कहीं बेहतर होगा। इस बीच अमेरिका की उच्चस्तरीय टीम पाकिस्तान पहुंचकर वार्ता की दिशा तय करने में जुट सकती है। स्थिति पर दुनिया की नजरें टिकी हुई हैं।

# कनाडा में भारतीय छात्र हत्या मामले में आरोपी को उम्रकैद

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** कार्तिक वासुदेव की हत्या के मामले में टोरंटो की अदालत ने बड़ा फैसला सुनाते हुए आरोपी को आजीवन कारावास की सजा दी है। इस निर्णय से पीड़ित परिवार को लंबे इंतजार के बाद न्याय मिला है।

अदालत की न्यायाधीश जेन केली ने आरोपी रिचर्ड एडविन को दो अलग–अलग मामलों में प्रथम श्रेणी हत्या का दोषी ठहराया। ये घटनाएं अप्रैल 2022 में हुई थीं, जिनमें 21 वर्षीय कार्तिक वासुदेव की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मुकदमे के दौरान आरोपी ने हत्या की बात स्वीकार की, लेकिन बचाव पक्ष ने दलील दी कि वह सिजोफ्रेनिया जैसी मानसिक बीमारी से पीड़ित था और अपने कृत्य को समझने की स्थिति में नहीं था। हालांकि अदालत ने इस तर्क को खारिज कर दिया। अदालत ने माना कि आरोपी मानसिक रूप से बीमार था, लेकिन वह अपने अपराध की प्रकृति समझने में सक्षम था। इसी आधार पर उसे आपराधिक जिम्मेदारी से मुक्त करने की मांग ठुकरा दी गई। इस फैसले के साथ ही आरोपी को बिना पैरोल की संभावना के उम्रकैद की सजा सुनाई गई है, जिसे न्याय व्यवस्था की सख्ती और पीड़ित के लिए न्याय के रूप में देखा जा रहा है।

# कल खुलेंगे केदारनाथ धाम के कपाट, मंदिर में मोबाइल पर प्रतिबंध

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** केदारनाथ धाम के कपाट कल बुधवार को सुबह 8 बजे श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। इसके साथ ही वार्षिक यात्रा का शुभारंभ होगा। इस बार सात लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन के लिए पंजीकरण कराया है, जिससे भारी भीड़ की संभावना है। मंदिर समिति ने इस बार सख्त नियम लागू किए हैं। मंदिर परिसर के अंदर मोबाइल फोन ले जाना, फोटो या वीडियो बनाना और रील रिकॉर्ड करना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने पर कानूनी कार्रवाई

की चेतावनी दी गई है। इधर, गंगोत्री धाम के कपाट पहले ही अक्षय तृतीया पर खुल चुके हैं, जहां श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। प्रशासन ने यात्रियों से नियमों का पालन करने और सुरक्षित यात्रा करने की अपील की है।

# तेज प्रताप का राहुल पर तंज प्रियंका पर जताया भरोसा

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** पटना में राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। तेज प्रताप यादव ने राहुल गांधी पर तीखा हमला बोलते हुए उनकी कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को राजनीति में सक्रिय होने की बजाय अपने पुराने शौक पर ही ध्यान देना चाहिए।

तेज प्रताप ने तंज कसते हुए कहा कि राहुल गांधी को "मीट–मुर्गा बनाना" ही जारी रखना चाहिए और उन्हें कुर्सी के लालच से दूर रहना चाहिए। वहीं, उन्होंने प्रियंका गांधी वाड्रा पर भरोसा जताते हुए कहा कि वही इंडिया गठबंधन को प्रभावी ढंग से चला सकती हैं। उन्होंने प्रियंका की तुलना पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से करते हुए उन्हें मजबूत नेतृत्वकर्ता बताया। तेज प्रताप के इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। यह बयान ऐसे समय आया है जब विपक्षी गठबंधन के नेतृत्व को लेकर अलग–अलग राय सामने आ रही हैं।

# महिला आरक्षण पर सियासत तेज कांग्रेस ने सरकार को घेरा

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** नई दिल्ली में महिला आरक्षण को लेकर सियासी बहस तेज हो गई है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने केंद्र सरकार पर इस मुद्दे को टालने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर महिला आरक्षण लागू करने की मांग कर चुके थे।

रमेश के मुताबिक, सरकार ने इस मुद्दे को परिसीमन से जोड़कर देरी की है, जिससे महिलाओं को उनका अधिकार मिलने में बाधा आ रही है। कांग्रेस का कहना है कि महिला आरक्षण को मौजूदा लोकसभा सीटों के आधार पर तुरंत लागू किया जाना चाहिए।

यह विवाद ऐसे समय सामने आया है, जब हाल ही में महिला आरक्षण से जुड़ा संविधान संशोधन

विधेयक लोकसभा में पारित नहीं हो सका। आवश्यक बहुमत नहीं मिलने के कारण यह बिल अटक गया।

कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने सरकार से मांग की है कि वह इस मुद्दे पर स्पष्ट रुख अपनाए और जल्द से जल्द ठोस कदम उठाए, ताकि महिलाओं को राजनीति में पर्याप्त प्रतिनिधित्व मिल सके।

# हैदराबाद में लव ट्रैप गैंग का पर्दाफाश, आरोपी युवक गिरफ्तार

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** हैदराबाद से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां 23 वर्षीय युवक को 20 से अधिक नाबालिग लड़कियों को प्रेम जाल में फंसाकर उनका शोषण करने और ब्लैकमेल करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। इस घटना ने शहर में हड़कंप मचा दिया है और सोशल मीडिया के दुरुपयोग पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पुलिस के अनुसार, आरोपी ने फर्जी पहचान बनाकर खुद को एक अमीर और प्रभावशाली व्यक्ति के रूप में पेश किया। वह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिए लड़कियों से संपर्क करता और लग्जरी जीवनशैली की झूठी तस्वीरें दिखाकर उनका विश्वास जीतता था। जांच में

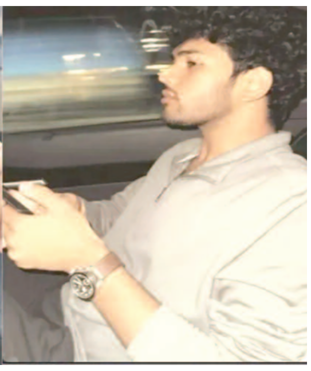

सामने आया है कि आरोपी स्थानीय नेटवर्क, जैसे सुरक्षा गार्ड और घरेलू कामगारों की मदद से संभावित पीड़ितों की जानकारी जुटाता था। इसके बाद वह योजनाबद्ध तरीके से उन्हें अपने जाल में फंसाता था। भरोसा जीतने के बाद आरोपी पीड़ितों की निजी तस्वीरें और वीडियो रिकॉर्ड करता और बाद में इन्हीं के जरिए उन्हें ब्लैकमेल करता था। कई मामलों में लड़कियों को डराकर उनसे पैसे और कीमती सामान तक वसूले गए। कुछ पीड़ितों ने दबाव में आकर घर से नकदी और जेवर भी चुरा लिए।

यह मामला तब उजागर हुआ, जब एक नाबालिग पीड़िता के परिवार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। जांच के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया और उसके खिलाफ पॉक्सो एक्ट समेत गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया गया है। पुलिस को आशंका है कि पिछले दो वर्षों में तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में 20 से अधिक लड़कियां इस गिरोह का शिकार हुई हैं। फिलहाल आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है और पुलिस उसके नेटवर्क तथा अन्य संभावित सहयोगियों की तलाश में जुटी है।

### आगरा मंडल में सड़क सुरक्षा को लेकर सख्ती

# मंडलायुक्त ने ओवरलोडिंग को लेकर दिए कड़े निर्देश

**यूनिक समय, आगरा।** मंडलायुक्त नागेन्द्र प्रताप की अध्यक्षता में मंगलवार को मंडलीय सड़क सुरक्षा समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई, जिसमें सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और यातायात नियमों के सख्त पालन को लेकर कई अहम निर्णय लिए गए। बैठक में अवगत कराया गया कि आगरा मंडल के चारों जनपदों में वर्ष 2026 में अब तक तीन बैठकें हो चुकी हैं। परिवहन एवं पुलिस विभाग द्वारा हेलमेट, सीट बेल्ट, मोबाइल फोन के उपयोग, गलत दिशा में वाहन चलाने, नशे में ड्राइविंग, ओवरस्पीडिंग और स्टंटिंग के खिलाफ की गई कार्रवाई की समीक्षा की गई। वर्ष 2024–25 की तुलना में 2025–26 में फिरोजाबाद और मैनपुरी में चालानों की संख्या में लगभग 200 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई।

सड़क सुरक्षा की बैठक लेते मंडलायुक्त नागेंद्र प्रताप।

सड़क दुर्घटनाओं की समीक्षा में पाया गया कि वर्ष 2026 की पहली तिमाही में मैनपुरी, आगरा और मथुरा की स्थिति में सुधार हुआ है, जबकि फिरोजाबाद की रैंकिंग में गिरावट आई है। इस पर मंडलायुक्त ने फिरोजाबाद में विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए। सड़क सुरक्षा मित्र योजना के तहत आगरा में 13, फिरोजाबाद में 11, मैनपुरी में 9 और मथुरा में 12 स्वयंसेवकों का चयन कर उन्हें सेव लाइफ फाउंडेशन द्वारा प्रशिक्षित किया गया है। वहीं आगरा, फिरोजाबाद और मथुरा में जीरो फेटलिटी डिस्ट्रिक्ट कार्यक्रम भी लागू है। स्कूली वाहनों की जांच में अब तक 3569 वाहनों का निरीक्षण किया जा चुका है, जबकि कई स्कूलों द्वारा अभी तक पोर्टल पर जानकारी अपडेट नहीं की गई है। ऐसे स्कूलों को नोटिस भेजने

### फिरोजाबाद में सुधार के लिए विशेष अभियान के निर्देश

के निर्देश दिए गए हैं। पिछले दो महीनों में कुल 710 ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित किए गए हैं। ओवरलोडिंग के खिलाफ 7338 वाहनों पर कार्रवाई कर लगभग 18.46 करोड़ रुपये वसूले गए। सभी टोल प्लाजाओं पर वे–इन–मोशन ब्रिज लगाने के निर्देश भी दिए गए। मंडल में 220 ब्लैक स्पॉट चिन्हित कर उनके सुधार के लिए कार्ययोजना बनाई गई है। एक्सप्रेसवे पर बढ़ती दुर्घटनाओं को देखते हुए 27 अप्रैल से 10 दिवसीय संयुक्त अभियान चलाया जाएगा, जिसमें अवैध पार्किंग, ओवरलोडिंग और नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई होगी।

## पश्चिम बंगाल में हेमामालिनी ने कीं जनसभाएं

### कई क्षेत्रों में सभाओं को किया संबोधित

पश्चिम बंगाल में सभा को संबोधित करतीं सांसद हेमामालिनी।

**यूनिक समय, मथुरा।** भारतीय जनता पार्टी की स्टार प्रचारक एवं सांसद हेमा मालिनी ने आज पश्चिम बंगाल में विभिन्न स्थानों पर चुनावी सभाओं को संबोधित किया। अपने दौरे के दौरान उन्होंने मेखलीगंज विधानसभा क्षेत्र (जिला जलपाईगुड़ी), मयनागुड़ी विधानसभा क्षेत्र (जिला जलपाईगुड़ी), अलीपुरद्वार विधानसभा क्षेत्र तथा कूचबिहार क्षेत्र में जनसभाएं कर भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में प्रचार किया। हेमामालिनी ने सभा को संबोधित कर केंद्र सरकार की उपलब्धियों को विस्तार से बताया, कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने आम जनता के हित में कई ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं, जिनका लाभ देश के हर वर्ग तक पहुंच रहा है। उन्होंने जनता से अपील की कि वे विकास और सुशासन को आगे बढ़ाने के लिए भाजपा के पक्ष में मतदान करें। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए भाजपा का सशक्त होना आवश्यक है।

## केशवधाम वेद विद्यालय में सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार सम्पन्न

यज्ञोपवीत संस्कार के बाद में मंच पर उपस्थित विद्यालय के छात्र व अन्य।

**यूनिक समय, वृन्दावन (मथुरा)।** अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर केशवधाम वेद विद्यालय में पूर्ण वैदिक परंपरा के अनुसार दशम सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार का भव्य आयोजन किया गया। दो दिवसीय उपनयन संस्कार में 12 बटुक ब्राह्मणों को यज्ञोपवीत धारण कराकर वेदारंभ संस्कार, ब्रह्मदंड धारण, संध्या वंदन और गायत्री दीक्षा का दिव्य ज्ञान प्रदान किया गया। इस अवसर पर बीतराग संत गोविन्दानंद तीर्थ महाराज ने कहा कि यज्ञोपवीत संस्कार हर बालक के लिए आवश्यक है। आचार्य डॉ. रामविलास चतुर्वेदी ने वेद को साक्षात भगवान बताते हुए यज्ञोपवीत को वेद अध्ययन का आधार बताया। संत सतमित्रानंद जी महाराज ने संस्कार और चरित्र निर्माण पर बल दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता लक्ष्मण सराफ ने की, जबकि निदेशक ललित कुमार ने वैदिक संस्कृति संरक्षण के लिए यज्ञोपवीत को आवश्यक बताया। ओमप्रकाश बंसल ने बताया कि यह आयोजन पिछले 10 वर्षों से निरंतर किया जा रहा है। इस वर्ष वेद विद्यालय के प्रधानाचार्य आचार्य रवीन्द्र शर्मा, आचार्य सुधाकर द्विवेदी, संदीप चतुर्वेदी, आचार्य ब्रजेंद्र नागर, विश्वनाथ गुप्ता, गंगाधर अरोड़ा सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

## हाईवे पर बस–डंपर टक्कर की भिडंत में 20 यात्री घायल

**यूनिक समय, मथुरा।** जैंत क्षेत्र में देर रात मथुरा हाईवे पर एक भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमें यूपी रोडवेज बस और सड़क किनारे खड़े डंपर की टक्कर में करीब 20 यात्री घायल हो गए। हादसा रात लगभग 11:30 बजे आम्रपाली के सामने स्थित शिवा ढाबा के पास हुआ, जब दिल्ली से आगरा की ओर जा रही बस अचानक अनियंत्रित होकर डंपर में पीछे से जा घुसी। टक्कर इतनी तेज थी कि बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और यात्रियों में चीख–पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया और बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला। सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस सेवा की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और सभी घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया।

हादसे में घायल यात्रियों में सीता देवी, नरेंद्र, कमलेश, पूजा, अभिषेक, ज्योति, नेहा और इच्छा सहित कई लोग शामिल हैं। अधिकांश यात्री हरियाणा और आसपास के क्षेत्रों के बताए जा रहे हैं। कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई गई, हालांकि इलाज के बाद कई यात्रियों को प्राथमिक उपचार देकर अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

सीओ सदर पीतम पाल सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण बस चालक को नींद की झपकी आना माना जा रहा है। राहत की बात यह रही कि इस दुर्घटना में किसी की जान नहीं गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाया और यातायात सुचारू कराया। फिलहाल मामले की विस्तृत जांच जारी है और दुर्घटना के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

### मथुरा में धृति क्लासेज का दबदबा

## जेईई मेन 2026 में मिली शानदार सफलता

जेईई मेन में शानदार सफलता के बाद प्रसन्न मुद्रा में खड़े धृति क्लासेज के छात्र।

**यूनिक समय, मथुरा।** जेईई मेन 2026 के परिणामों में जिले की धृति क्लासेज ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी गुणवत्ता साबित की है। संस्थान के कुल 17 विद्यार्थियों में से 14 का चयन हुआ है, जो पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। संस्थान के छात्र रोनक वार्ष्णेय ने 99.84 पर्सेंटाइल प्राप्त कर शानदार उपलब्धि हासिल की। इसके अलावा गगन अग्रवाल (99.72 पर्सेंटाइल) और उत्कर्ष कुलश्रेष्ठ (99.27 पर्सेंटाइल) सहित कई विद्यार्थियों ने 90 से अधिक पर्सेंटाइल प्राप्त कर संस्थान का नाम रोशन किया। संस्थान के निदेशक ने बताया कि यह सफलता विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, अनुभवी शिक्षकों के मार्गदर्शन और मजबूत कॉन्सेप्चुअल शिक्षण का परिणाम है। धृति क्लासेज ने अपने पहले ही वर्ष में परिणाम देकर शहर में एक नई पहचान बनाई है। लगातार बेहतर परिणामों के साथ धृति क्लासेज विद्यार्थियों और अभिभावकों की पहली पसंद बनता जा रहा है। संस्थान के द्वारा बैच शुरू कर दिए है। उन्होंने कहा कि हमारी इस संस्थान में सीमित सीटें रखी गई है जो कि छात्रों को कोई परेशानी नहीं हो। क्लासेज में प्रवेश लेने वाले छात्र समय से तृतीय तल, ललित ग्रेस प्लाजा, बीएसए कॉलेज के सामने जानकारी ले सकते है।

**टिप्स** डर छोड़ो, छलांग लगाओ: सफलता का असली मंत्र

# जजमेंट का डर छोड़कर जोखिम उठाएं

**यूनिक समय, मथुरा।** आज के दौर में युवाओं के सामने अवसरों की कमी नहीं है, लेकिन सबसे बड़ी बाधा उनके भीतर का डर और असमंजस है। राज शमानी का मानना है कि जब तक आप लोगों के जजमेंट का डर नहीं छोड़ते तब तक आप बड़े जोखिम लेने के काबिल नहीं बन पाते। सफलता का पहला कदम यही है कि आप परफेक्ट होने का इंतजार करना छोड़ दें, क्योंकि कोई भी कभी पूरी तरह तैयार नहीं होता–बस सही समय पर छलांग लगानी पड़ती है।

इंदौर के एक साधारण परिवार से निकलकर अपनी पहचान बनाने वाले राज शमानी कहते हैं कि आज के भारत में करोड़ों युवाओं की आंखों में कुछ बड़ा करने की आग है। हालांकि, इस आग के साथ डर और सवाल भी हैं, खासकर करियर

### परफेक्ट बनने का इंतजार नहीं, शुरुआत करें

### सोशल मीडिया पर क्रिएशन बनाम कंजंप्शन का फर्क

### छोटी स्किल को बनाएं अपनी सबसे बड़ी ताकत

को लेकर। पॉडकास्टिंग या कंटेंट क्रिएशन जैसे क्षेत्रों को अब गैर–पारंपरिक कहना गलत है, क्योंकि डिजिटल प्लेटफॉर्म आज मुख्यधारा बन चुके हैं। उनका मानना है कि कम उम्र में असफल होना फायदेमंद होता है। 20 की उम्र में जोखिम लेना आसान है, क्योंकि खोने के लिए बहुत कम होता है। वहीं 40 की उम्र में असफलता की कीमत ज्यादा होती है। इसलिए युवाओं को चाहिए कि वे जल्दी सीखें, जल्दी सफल हों और आगे बढ़ें।

सोशल मीडिया को लेकर भी वे एक महत्वपूर्ण बात कहते हैं–अगर आप सिर्फ दूसरों की जिंदगी देखेंगे तो असुरक्षा बढ़ेगी, लेकिन अगर आप खुद कुछ बनाएंगे तो यही प्लेटफॉर्म आपकी ताकत बन सकता है। आत्मविश्वास देखने से नहीं, करने से आता है। अंत में, वे युवाओं को सलाह देते हैं कि अपनी एक छोटी सी स्किल को इतना मजबूत बनाएं कि दुनिया उसे नजरअंदाज न कर सके। महान बनने के लिए शुरुआत बड़ी होना जरूरी नहीं, बल्कि शुरुआत करना जरूरी है।

## अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद ब्रजप्रांत के प्रशिक्षण वर्ग का समापन

प्रशिक्षण वर्ग में भाग लेते पूर्व सैनिक।

**यूनिक समय, मथुरा।** अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद एवं सर्वोदय हॉस्पिटल के सानिध्य में आयोजित ब्रजप्रांत का प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व प्राचार्य बीएसए म ?हाविद्यालय के वीरेंद्र मिश्रा ने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर भारत माता एवं सुभाष चंद्र के चित्र पर माल्यार्पण कर किया।

संघ के जिला अध्यक्ष रामपाल सिंह ने कहा कि प्रशिक्षण वर्ग में कई जिलों के प्रशिक्षणार्थियों ने प्रतिभाग किया। मुख्य अतिथि ने पंच परिवर्तन के विषय पर कहा कि सेवा सम्मान और साहस के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। मुख्य वक्ता ब्रजप्रांत के अध्यक्ष ब्रिगेडियर डॉ. भुवनेश चौधरी, कर्नल लाखन सिंह, कर्नल संजीव अग्निहोत्री जिलों के प्रतिनिधियों ने राष्ट्र प्रथम की भावना पर अपने अपने विचार रखे। इस मौके पर डॉ. रमेश चन्द,राजेश कुमार, विजयपाल, राजबीर सिंह, केसी ठकुरेला, हरिओम सिंह, ओमवीर सिंह, बलबीर सिंह, बल्देव सिंह, एमडी सिंह, विक्रम सिंह आदि मौजूद रहे।